mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-129 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
11 मई 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

बीएसएफ ने सेल्फ डिफेंस में चलाई गोली त्रिपुरा बॉर्डर पर 2 बांग्लादेशियों की मौत

नई दिल्ली,एजेंसी। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर शुक्रवार रात सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा आत्मरक्षा में की गई फायरिंग में दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्कर मारे गए।

यह घटना कमलासागर बॉर्डर आउटपोस्ट के पास हुई। यह इलाका तस्करी की गतिविधियों के लिए कुख्यात है, जिसमें कथित तौर पर सीमा के दोनों ओर के ग्रामीणों की मदद शामिल होती है।

अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर की कोशिश: सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की रात अंधेरे का फायदा उठाकर 10-15 लोगों का एक समूह सीमा पर लगी बाड़ के पार अपने भारतीय साथियों को सामान सौंप रहा था, तभी क्स्त्र की गश्ती टीम ने उन्हें देख लिया। जब जवानों ने उन्हें ललकारा और रोकने की कोशिश की, तो तस्करों ने कथित तौर पर उन पर पथराव शुरू कर दिया।

इसके जवाब में क्स्त्र के जवानों ने फायरिंग की, जिसमें दो लोग घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। इनकी पहचान नबीन हुसैन (20) और मोहम्मद मुरसलीन (40) के रूप में हुई है।

दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि घायल अवस्था में उन्होंने खुद के बांग्लादेशी होने और तस्करी में शामिल होने की बात कबूल की थी। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शवों को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को सौंप दिया गया है।

ईरान की चेतावनी- यूएस ठिकाने और जहाज निशाने पर:

अमेरिका को 14-पॉइंट के प्रस्ताव पर जवाब का इंतजार, ईरान बोला- समय से फैसला लेंगे

तेल अवीव/ तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी IRGC ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। IRGC के नौसेना कमांड ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर फारस की खाड़ी या होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर फिर हमला हुआ, तो अमेरिकी ठिकानों और सैन्य जहाजों पर भारी हमला किया जाएगा।

इसके बाद IRGC की एयरोस्पेस फोर्स ने अलग पोस्ट में दावा किया कि हमारी मिसाइलें और ड्रोन पहले ही अमेरिकी ठिकानों और दुश्मन जहाजों पर लॉक हो चुके हैं और अब सिर्फ हमला करने के आदेश का इंतजार है।

वहीं, वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने 14 पॉइंट वाला ड्राफ्ट तैयार किया है, जिस पर ईरान के जवाब का इंतजार है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले पत्रकारों से बाद करते हुए कहा था कि शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) तक जवाब मिलने की उम्मीद है।

हालांकि, ईरान का जवाब अब तक नहीं आया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा है कि अमेरिकी प्रस्ताव अभी समीक्षा के दौर में है और सही समय पर इसका जवाब दिया जाएगा। हम अमेरिका की समय सीमा नहीं मानते। ईरान अपना काम अपने तरीके से करेगा।

बिहार-झारखंड समेत उत्तर और पूर्वी भारत में भारी बारिश, कई राज्य गर्मी से बेहाल; छह लोगों की मौत

नई दिल्ली,एजेंसी। भीषण गर्मी के मौसम में पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर, पूर्वी और मध्य भारत में मौसम कहर बरपा रहा है। आंधी-तूफान, गरज और चमक के साथ तेज बारिश से जुड़ी घटनाओं में बिहार और झारखंड में छह लोगों की जान चली गई है, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। मौसम के इस बदले मिजाज का असर पूर्वोत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक देखने को मिल रहा है, जहां छिटपुट से लेकर भारी बारिश हो रही है, जबकि उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। फिलहाल इससे राहत मिलने की उम्मीद भी नहीं है, क्योंकि उत्तर-पश्चिम भारत में 11 मई से आंधी-तूफान और बारिश का एक नया दौर शुरू होने वाला है।

मौसम विभाग ने क्या कहा?

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान बिहार, झारखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मराठवाड़ा, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पुडुचेरी और उत्तरी कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर 50-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और बारिश हुई। पटना में आए भीषण तूफान में पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। इससे तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह चरमरा गई।

अहमदाबाद के परिवार का लंदन भेजने के नाम पर अपहरण

दुबई पहुंचने के बाद संपर्क टूटा; एजेंट ने बेटे की फोटो भेजकर 1 करोड़ मांगे

अहमदाबाद,एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में रहने वाले एक परिवार अवैध तरीके से लंदन जाने नाम पर एजेंटों के जाल में फंस गया। पति, पत्नी और उनके दो बेटे 20 अप्रैल को घर से निकले थे, लेकिन दुबई पहुंचने के बाद उनका परिवार से संपर्क टूट गया। परिजन का आरोप है कि एजेंट ने चारों को बंधक बना लिया है और उन्हें छोड़ने के बदले 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी जा रही है। आरोपियों ने परिवार को डराने के लिए एक बेटे की खून से लथपथ तस्वीर भी भेजी है। साथ ही महिला का एक ऑडियो क्लिप भी भेजा, जिसमें वह रोते हुए पैसे देने की गुहार लगा रही है। आशंका जताई जा रही है कि परिवार को केन्या या इथियोपिया की किसी अज्ञात जगह पर बंधक बनाकर रखा गया है।

मोदी बोले:कांग्रेस ने डीएमके की पीठ में छुरा घोंपा

कर्नाटक में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के प्रोग्राम में कहा- सत्ता बदलते ही कांग्रेस पलटी

बेंगलुरु/हैदराबाद,एजेसी। बेंगलुरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस और DMK के बीच पिछले 25-30 साल से करीबी संबंध रहे हैं। DMK ने कई बार कांग्रेस को संकट से बाहर निकाला। 2014 से पहले केंद्र में 10 साल तक चली कांग्रेस सरकार भी DMK के समर्थन की वजह से ही टिकी रही।

DMK ने हर समय कांग्रेस के हित में काम किया, लेकिन जैसे ही सत्ता का समीकरण बदला, कांग्रेस ने पहले ही मौके पर छ्रब्य की पीठ में छुरा घोंप दिया। उन्होंने यह बात 'आर्ट ऑफ लिविंग' के 45वें स्थापना दिवस समारोह में कही। पीएम रविवार से तीन राज्यों के दौरे पर हैं।

बेंगलुरु से पीएम तेलंगाना पहुंचे। यहां हैदराबाद में उन्होंने 9,400 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

PM मोदी बोले- गुजरात जितना फंड दूंगा तो तेलंगाना का हिस्सा आधा हो जाएगा: हैदराबाद में नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे रेवंत जी ने कहा था कि आप राजनीतिक बात नहीं करेंगे, इसलिए मैं भी

राजनीतिक बात नहीं करूंगा।

मैं रेवंता जी से कहना चाहता हूं कि पिछले 10 साल में केंद्र सरकार ने गुजरात को जितना दिया, उतना ही मैं तेलंगाना को देने के लिए तैयार हूं। लेकिन ऐसा करते ही आपको जो मिल रहा है, वह आधा हो जाएगा और आप जहां पहुंचना चाहते हैं, वहां नहीं पहुंच पाएंगे। इसलिए अच्छा है कि आप मेरे से ही जोड़ो।

नरेंद्र मोदी बोले- तेलंगाना के विकास के लिए तेज गति से काम करेगी केंद्र सरकार : नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं तेलंगाना के हर परिवार को भरोसा दिलाता हूं कि केंद्र सरकार उनके सपनों को पूरा करने के लिए और तेज गति से काम करती रहेगी।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। मलकापुर में नए इंडियन ऑयल टर्मिनल का उद्घाटन इसी दिशा में अहम कदम है, जो तेलंगाना की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा।

पिछले 12 साल में आधुनिक कनेक्टिविटी केंद्र सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में रही है। सड़क, रेल और एयरपोर्ट समेत संपर्क के हर माध्यम में बड़े स्तर पर निवेश किया जा रहा है। इसके लिए करीब 1.75 लाख करोड़ का निवेश किया गया है।

हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल की राह आसान

स्क्रैमजेट इंजन का सफल परीक्षण: तकनीक हासिल करने वाला चौथा देश भारत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने शनिवार को बताया कि उसने 'एक्टिवली कूल्ड फुल स्केल स्क्रैमजेट कम्बस्टर' का सफल और लंबी अवधि वाला परीक्षण पूरा कर लिया है। इसे भारत के हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए बड़ा तकनीकी मील का पत्थर माना जा रहा है।

डीआरडीएल हैदराबाद में किया गया परीक्षण: रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला यानी डीआरडीएल की हैदराबाद स्थित सुविधा में किया गया। इस दौरान स्क्रैमजेट इंजन ने 1,200 सेकंड यानी करीब 20 मिनट तक लगातार काम किया। इससे यह साबित हुआ कि इंजन अत्यधिक तापमान और दबाव को लंबे समय तक सहन कर सकता है, जो हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के लिए बेहद जरूरी होता है।

20 मिनट तक चला स्क्रैमजेट इंजन:

हाइपरसोनिक मिसाइलें आवाज की रफ्तार से पांच गुना या उससे ज्यादा गति से उड़ सकती हैं। इतनी तेज रफ्तार के कारण मिसाइल का तापमान बहुत बढ़ जाता है। ऐसे में 'एक्टिव कूलिंग' तकनीक मिसाइल को सुरक्षित रखने और लंबी दूरी तक उड़ाने में अहम भूमिका निभाती है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इससे पहले जनवरी 2026 में भी इसी तकनीक का 700 सेकंड तक सफल परीक्षण किया गया था, लेकिन अब 1,200 सेकंड तक का रन-टाइम हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। यह परीक्षण हैदराबाद की अत्याधुनिक स्क्रैमजेट कनेक्ट पाइप टेस्ट सुविधा में किया गया। जनवरी में डीआरडीओ ने 700 सेकंड यानी करीब 13 मिनट का परीक्षण किया था। ताजा कामयाबी ने बीते सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

पाक ने गुजरात से कश्मीर तक 900 ड्रोन दागे थे

ऑपरेशन सिंदूर में सब तबाह; पाक-चीन-तुर्किये तिकड़ी के 4 मंसूबे चौपट

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरे होने पर भारतीय सैन्य बलों की समीक्षा में कई अहम खुलासे हुए हैं। पाकिस्तान, चीन और तुर्किये की तिकड़ी ने चार मंसूबों से 7 और 8 मई की रात को 900 ड्रोन दागे थे। कश्मीर में स्र्ह्रष्ट से लेकर गुजरात में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कुछ घंटों में स्वॉर्म ड्रोन दागे गए थे। पाक के स्वॉर्म ड्रोन को भारतीय वायुसेना के एयर कमांड और कंट्रोल सिस्टम ने तबाह कर दिया। पाकिस्तान भारत के एक भी अहम सैन्य बेस को नुकसान पहुंचाने में सफल नहीं हो पाया।

पाकिस्तान ने यूक्रेन-रूस युद्ध में इस्तेमाल किए गए स्वॉर्म ड्रोन अटैक को कॉपी किया था। बता दें कि यह रणनीति अक्सर नाटो देशों की तरफ से एडवांस वॉर में अपनाई जाती है।

विजय तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री बने

● शपथ लेते वक्त स्पीच देने लगे तो राज्यपाल ने टोका ,पहला ऑर्डर 200 यूनिट फ्री बिजली का

चेन्नई,एजेंसी। तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) चीफ और एक्टर से नेता बने सी जोसेफ विजय तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने रविवार सुबह 10.15 बजे तमिल में शपथ ली। इस दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे।

थलापित विजय शपथ लेते समय निर्धारित लाइनों के अलावा और बातें बोलने लगे। इस पर राज्यपाल अर्लेकर ने उन्हें टोक दिया और कहा कि वही पढ़ें जो लिखकर दिया है।

सीएम विजय के साथ 9 और मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें एन आनंद, आधव अर्जुन, डॉ. केजी अरुणराज, केए सेंगोट्टैयन, पी वेंकटरमणन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टीके प्रभु, सेल्वी एस कीर्तना शामिल है।ये सभी विजय की पार्टी टीवीके के विधायक हैं। सहयोगी दलों के किसी विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। सीएम बनते ही विजय एक्शन में आए और दस्तावेजों का पहला सेट साइन किया। इनमें 200 यूनिट फ्री बिजली देने, महिला सुरक्षा दल और एंटी ड्रग्स स्क्वॉड बनाने के आदेश शामिल हैं।

सीएम बनते ही एक्शन में विजय, पहला ऑर्डर 200 यूनिट बिजली फ्री: सीएम जोसेफ विजय ने शपथ लेते ही एक्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट फ्री बिजली देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल बनाने वाली फाइल साइन की।सीएम विजय ने अपने पहले संबोधन में कहा कि वे किसी शाही खानदान से नहीं हैं, लोगों ने ही उनका स्वागत किया और उन्हें स्वीकार किया। इसलिए झूठे वादों से लोगों को धोखा नहीं देंगे।सीएम विजय ने बताया कि पिछली डीएमके सरकार पर राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लादने का आरोप लगाया।

असम में फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे हिमंता:विधायक दल की बैठक में नेता चुने गए

12 मई को पद की शपथ लेंगे

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के अगले मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा होंगे। रविवार को बीजेपी की विधायक दल की बैठक में उनके ही नाम पर मुहर लगी। जेपी नड्डा ने उनके नाम का ऐलान किया। हिमंता 12 मई को सुबह 11 बजे लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। 4 मई को आए नतीजों में बीजेपी ने राज्य की 126 में से 82 सीटों पर बंपर जीत हासिल की थी।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के

शीर्ष नेतृत्व और एनडीए (NDA) के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होंगे। हिमंता की ताजपोशी उत्तर-पूर्व में पार्टी की पैठ को और मजबूत करने के रूप में देखी जा रही है। असम बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा- हम दोपहर तक सरकार बनाने के अपने दावे के बारे में राज्यपाल को सूचित कर देंगे। 12 तारीख को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं। यह एक ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि पीएम मोदी की उपस्थिति में हिमंता 102 विधायकों के साथ शपथ लेंगे।

जलवायु परिवर्तन: इतिहास का तीसरा सबसे गर्म अप्रैल, डेढ़ डिग्री सीमा के करीब पहुंची दुनिया

नई दिल्ली,एजेंसी। दुनिया लगातार ऐसे जलवायु दौर में प्रवेश कर रही है जहां बढ़ती गर्मी, असामान्य बारिश, सूखा, समुद्री तापमान में उछाल और ध्रुवीय बर्फ का तेजी से पिघलना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं। यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 इतिहास का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे गर्म अप्रैल दर्ज किया गया। इस दौरान वैश्विक औसत तापमान 14.89 डिग्री सेल्सियस रहा, जो औद्योगिक काल से पहले के स्तर की तुलना में 1.43 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के करीब पहुंची दुनिया: विशेषज्ञों का कहना है कि दुनिया अब पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के बेहद करीब पहुंच चुकी है और यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी नहीं आई तो आने वाले वर्षों में चरम मौसमी घटनाएं और गंभीर हो सकती हैं।

अप्रैल 2026 का तापमान 1991 से 2020 के औसत की तुलना में 0.52 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इससे पहले सबसे गर्म अप्रैल 2024 में दर्ज किया गया था, जब तापमान औद्योगिक काल से पहले की तुलना में 1.58 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया था। इसके बाद 2025 दूसरा सबसे गर्म अप्रैल रहा।

वैज्ञानिकों ने दी गंभीर चेतावनी: सी3एस की उप निदेशक डॉ. सामंथा बर्गेस ने रिपोर्ट में कहा है कि अप्रैल 2026 यह स्पष्ट संकेत देता है कि दुनिया लगातार गर्म होती जा रही है। उनके अनुसार समुद्र का तापमान रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच चुका है, समुद्री हीटवेव बढ़ रही हैं और आर्कटिक की बर्फ तेजी से घट रही है। उन्होंने कहा कि यूरोप समेत कई क्षेत्रों में तापमान और बारिश के पैटर्न में बड़े अंतर दिखाई दे रहे हैं, जो इस बात का संकेत हैं कि दुनिया की जलवायु लगातार अधिक चरम स्थितियों की ओर बढ़ रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक जलवायु संकट अब भविष्य की चेतावनी नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा, जल उपलब्धता और मानव जीवन पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

समुद्र की सतह पर अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा तापमान:

रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2026 में समुद्र की सतह का औसत वैश्विक तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अप्रैल महीने के लिए अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है। वैज्ञानिकों ने इसे चिंता का विषय बताया है क्योंकि गर्म होते समुद्र वैश्विक मौसम प्रणाली को अस्थिर बना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रशांत महासागर में अल नीनो के संकेत दिखाई देने लगे हैं। अल नीनो ऐसी जलवायु प्रक्रिया है जिसमें प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है।

हिमाचल में अगले पांच दिन बारिश-आंधी का अलर्ट, 12-13 मई को सबसे ज्यादा खराब रहेगा मौसम

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। 12 और 13 मई को मौसम सबसे ज्यादा खराब रहने की संभावना जताई गई है। इन दो दिनों के लिए कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है।रविवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए हैं और मौसम ठंडा बना हुआ है। पहाड़ी इलाकों में सुबह-शाम सर्दी जैसा एहसास हो रहा है, जबकि मैदानी और निचले क्षेत्रों में भी इस बार उमस महसूस नहीं हो रही। मई महीने में अब तक कई बार बारिश हो चुकी है, जिससे तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार 11 मई को कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 12 और 13 मई को मौसम सबसे ज्यादा सक्रिय रहेगा। इन दिनों प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में तेज बारिश, बिजली चमकने, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने और कुछ जगह ओलावृष्टि होने का अनुमान है। 14 मई को भी बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है। 15 मई को कुछ क्षेत्रों में फिर गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि 16 मई को केवल अलग-अलग स्थानों पर हल्की गतिविधियां हो सकती हैं। मौसम विभाग के मुताबिक ऊंचाई वाले जनजातीय और पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी के भी आसार हैं। इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। प्रदेश के प्रमुख शहरों के न्यूनतम तापमान की बात करें तो शिमला में 14 डिग्री सेल्सियस, सुंदरनगर में 19.6, भुंतर में 17.1, कल्पा में 9, धर्मशाला में 10.7, ऊना में 20, नाहन में 16.1, केलांग में 5.4, पालमपुर में 17.5, सोलन में 15, मनाली में 10.9, कांगड़ा में 22.7, मंडी और बिलासपुर में 20.5, चंबा में 17.7, डलहौजी में 14.6, जुब्बड़हट्टी में 17.2, कुफरी में 10.7, कुकुमसेरी में 6.8, पांवटा साहिब और देहरा गोपीपुर में 22, सराहन में 11.1 और ताबो में 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है, खासकर पहाड़ी और संवेदनशील इलाकों में यात्रा करते समय सतर्क रहने को कहा गया है।

शिमला में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, चालक की मौत

शिमला, एजेंसी। शिमला जिले के सुन्नी थाना क्षेत्र में शनिवार की रात एक ट्रक सड़क से अनियंत्रित होकर नीचे खेतों में जा गिरा। हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान शिमला के शोघी निवासी 26 वर्षीय रविंद्र ठाकुर के रूप में हुई है। हादसे के बाद चालक ट्रक के नीचे बुरी तरह फंस गया था, जिसे बाहर निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को करीब पांच घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब डेढ़ बजे थाना सुन्नी को सूचना मिली कि बड़मैन धार में ट्रक नंबर HP64B-7299 दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क से नीचे खेतों में गिर गया है और चालक ट्रक के नीचे फंसा हुआ है। सूचना मिलने के बाद एएसआई बृजलाल पुलिस दल के साथ मौके के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और चालक उसके नीचे दबा हुआ था। पुलिस और स्थानीय लोगों ने जेसीबी तथा अन्य भारी मशीनों की मदद से राहत कार्य शुरू किया। करीब पांच घंटे की मेहनत के बाद चालक को ट्रक के नीचे से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। चालक की पहचान उसकी जेब से मिले ड्राइविंग लाइसेंस और आधार कार्ड के आधार पर रविंद्र ठाकुर (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल सुन्नी भेज दिया है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को भी दे दी गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

दिल्ली के यमुनापार की टूटी सड़कें बनीं मुसीबत, राहगीर और वाहन चालक परेशान

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। यमुनापार में जर्जर सड़कें लोगों की परेशानी का बड़ा कारण बन गई हैं। शंकर विहार, मंडावली पुलिया, खिचड़ीपुर, नरवाना रोड, भजनपुरा और गोकलपुरी समेत कई इलाकों में सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। जगह-जगह उखड़ी सड़कें और बड़े गड्ढे राहगीरों तथा वाहन चालकों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से सड़क मरम्मत की मांग की जा रही है, लेकिन विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही।

बारिश के बाद हालात और गंभीर हो जाते हैं। गड्ढों में पानी भरने से सड़क और नाले में फर्क करना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कई जगह वाहन फिसलने और लोगों के चोटिल होने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। वहीं जाम की समस्या से रोजाना लोगों का समय बर्बाद हो रहा है। मंडावली निवासी शांतनु का कहना है कि लंबे समय से सड़क टूटी पड़ी है। सड़क पर बने गड्ढे से बच कर चलने में कई बार वाहन सवार और पैदल यात्री आमने-सामने आ जाते हैं। वहीं टूटी सड़कों के कारण वाहन भी जल्दी खराब हो रहे हैं और धूल-मिट्टी से प्रदूषण बढ़ रहा है। व्यापारियों और स्कूली बच्चों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।कई बार शिकायत करने के बावजूद सड़क निर्माण और मरम्मत कार्य सिर्फ कागजों तक सीमित है।

एक स्थान से टूटी खिचड़ीपुर मैन रोड। जागरण : क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से जल्द सड़क मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके और संभावित हादसों को रोका जा सके। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी का कहना है कि इलाके की कई सड़कों की मरम्मत और निर्माण कार्य जारी है। इसी क्रम में इलाके की सारी सड़कों को दुरूस्त किया जाएगा।

खेत में काम कर रहे व्यक्ति पर भालू का हमला, गंभीर रूप से घायल

शिमला, एजेंसी। शिमला जिले के रामपुर उपमंडल में खेत में काम कर रहे एक व्यक्ति पर भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए खनेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल पहुंचकर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शनिवार को थाना रामपुर को खनेरी अस्पताल से सूचना मिली कि एक व्यक्ति को भालू के हमले में घायल होने के बाद उपचार के लिए लाया गया है। घायल की पहचान रामपुर के सोबली गांव निवासी 58 वर्षीय देविन्द्र सिंह के रूप में हुई है। जांच के दौरान सामने आया कि देविन्द्र सिंह अपने भाई हीरा सिंह के साथ गांव सोबली में खेत में काम कर रहे थे। काम के दौरान दोनों पानी पीने के लिए पास के नाले की ओर जा रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों में छिपा एक भालू अचानक बाहर निकल आया और उसने देविन्द्र सिंह पर हमला कर दिया। हमले में उनके सिर, गर्दन और कान पर चोटें आई हैं। घायल देविन्द्र सिंह का खनेरी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने गवाहों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कश्मीरी हिंदुओं ने घर वापसी के लिए किया प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

जम्मू, एजेंसी। 36 वर्ष पहले कश्मीर घाटी से विस्थापित हुए कश्मीरी हिंदुओं की वापसी नहीं हो पाने को लेकर यूथ आल इंडिया कश्मीरी समाज के सदस्यों ने प्रदर्शनी मैदान में प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की।

इन कार्यकर्ताओं ने कहा कि बीते तीन दशकों में किसी भी सरकार ने कश्मीरी हिंदुओं की वापसी को लेकर नहीं सोचा। आज यह लोग विस्थापित बनकर दर बदर हो रहे हैं। कश्मीरी हिंदुओं के युवाओं को नौकरियां नहीं मिल पा रही है और उनमें बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। इस दौरान कश्मीरी हिंदुओं ने कहा कि वर्तमान सरकार भी कश्मीरी हिंदुओं के बारे में नहीं सोच रही। अभी तक घाटी वापसी के लिए सरकार के पास कोई नीति नहीं है।

यूथ आल इंडिया कश्मीरी समाज के प्रधान आरके भट्ट ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री को चाहिए कि वे कश्मीरी हिंदुओं के पुनर्वास के लिए कोई कदम उठएं। इन लोगों की घाटी वापसी का कोई रोड मैप तैयार किया जाए। कश्मीरी हिंदू अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति से जुड़ना चाहते हैं। अगर सरकार ने कोई कदम नहीं उठाए तो कश्मीरी हिंदुओं का घाटी जाने का सपना कभी पूरा नहीं हो पाएगा। उन्होंने वहीं दूसरी ओर कहा कि इस समय कश्मीरी हिंदू युवा सबसे ज्यादा परेशान है क्योंकि उसके पास नौकरियां नहीं है।

इन युवाओं को सरकारी नौकरियों में वरियता दी जाए । जैसे सरकार ने पहले कश्मीरी हिंदू युवाओं के लिए नौकरियों का एक पैकेज दिया था, इसी तरह का एक और पैकेज दिया जाए जिसमें 15000 नौकरियां रखी जाएं। जो युवा उम्र दराज हो चुके हैं, के बारे में भी सोचा जाए और उनका पुनर्वास किया जाए।

ग्रेटर नोएडा में अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर, 40 करोड़ की जमीन हुई अतिक्रमण मुक्त

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अधिसूचित क्षेत्र ननवा का राजपुर में अवैध कालोनी को प्राधिकरण ने ध्वस्त कर दिया। लगभग 20 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर लगभग 40 करोड़ रुपये की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर भूलेख और परियोजना विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की है। ननवा का राजपुर गांव ग्रेटर नोएडा में अधिसूचित है। गांव के खसरा नंबर 156 व आसपास की जमीन पर कालोनाइजर भूखंड काट रहे थे। कुछ जगहों पर चारदीवारी व कमरे भी बना दिए गए थे। प्राधिकरण ने बुलडोजर चलाकर निर्माण को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने चेतावनी दी है कि अधिसूचित क्षेत्र में अनुमति के बिना या फिर बिना नक्शा स्वीकृत कराए निर्माण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जमीन पर कालोनाइजर अवैध निर्माण कर जमीन कब्जाने की कोशिश उन्होंने लोगों से अपील की कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले भूलेख विभाग से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अन्यथा उनकी गाढ़ी कमाई अवैध कालोनी में फंस सकती है। प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि ननवा का राजपुर के खसरा नंबर 156 व आसपास की जमीन पर कालोनाइजर अवैध निर्माण कर जमीन कब्जाने की कोशिश कर रहे थे। प्राधिकरण के भूलेख विभाग के ओएसडी रामनयन सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह आदि ने प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में शनिवार को कार्रवाई कर अतिक्रमण को ध्वस्त कर दियाद्। लगभग दो घंटे चली कार्रवाई में करीब 40 करोड़ की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। अधिकारियों ने दोबारा निर्माण करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

बालेन सरकार ने भारतीय विदेश सचिव को भेजा नेपाल आने का न्योता, दौरा रद्द होने की थी रिपोर्ट, पीएम करेंगे मुलाकात

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में नई बालेन्द्र शाह सरकार ने भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री को काठमांडू आने का न्योता भेजा है। दिप्रिंट के मुताबिक अभी दोनों पक्ष तारीखें तय करने पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अभी तक कोई तारीख पक्की नहीं हुई है। इससे पहले नेपाली मीडिया में रिपोर्ट किया गया था कि भारतीय विदेश सचिव 11 मई को काठमांडू की यात्रा करने वाले हैं लेकिन उनकी यात्रा स्थगित हो गई है। इसके पीछे एक बड़ी संभावित वजह ये बताई गई थी कि शायद प्रधानमंत्री बालेन शाह ने विक्रम मिस्री से मुलाकात करने से मना कर दिया था और इसके बाद उनकी काठमांडू यात्रा स्थगित हो गई। बालेन शाह ने इससे पहले अमेरिकी सहायक विदेश सचिव समीर कपूर और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोर से भी काठमांडू में मुलाकात नहीं की थी। लेकिन दिप्रिंट ने बताया है कि 'नेपाल की नई सरकार ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री को दौरे के लिए न्योता भेजा है। कोई भी मीटिंग टालने की जरूरत नहीं पड़ी है क्योंकि दौरे के लिए अभी तक कोई पक्की तारीख तय नहीं हुई है।' दिप्रिंट ने इस मामले से जुड़े दो लोगों से हुई बातचीत के आधार पर ये बताया है जिनमें से एक ने कहा कि 'कोई बैठक नहीं है जिसे स्थगित किया गया हो।'नेपाल ने भारतीय विदेश सचिव को भेजा न्योतायानी दिप्रिंट को अधिकारियों ने यह साफ किया है कि जब कोई तारीख तय ही नहीं हुई थी तो बैठक स्थगित होने का सवाल ही नहीं उठता। से जुड़े एक दूसरे व्यक्ति ने भी इस बात की पुष्टि की और बताया कि नई दिल्ली और काठमांडू के बीच संभावित तारीखों को लेकर बातचीत चल रही है। दूसरे व्यक्ति ने बताया कि काठमांडू ने कुछ 'अनुकूल' तारीखों का सुझाव दिया है और नई दिल्ली अभी भी उस प्रस्ताव पर विचार कर रही है। जबकि नेपाल से आई मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि मिस्री 11 मई से काठमांडू के दो दिन के दौरे पर जा सकते हैं।

'पाकिस्तान को सिंधु संधि पर यूएनएससी से कुछ नहीं मिलेगा' एक्सपर्ट ने बताया क्या है शरीफ सरकार के नए कदम का मकसद

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से सिंधु जल संधि के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय विवाद की शक्ल देने की कोशिश जारी है। पाकिस्तान सरकार अब इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में ले गया है। भारत ने पहलगाम के आतंकी हमले के बाद उठाए गए कदमों के तहत पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने का फैसला लिया था। इसके बाद से पाकिस्तान इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि एक्सपर्ट का कहना है कि पाकिस्तान को इस कदम को कोई खास फायदा नहीं होगा।पूर्व आईएएस अधिकारी केबीएस सिद्धू ने सेवियर्स मैगजीन में अपने एक विश्लेषण में तर्क दिया गया है कि पाकिस्तान को सिंधु जल संधि के निलंबन का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उठाने से कोई खास फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने यह कदम किसी ठोस कानूनी नतीजे तक पहुंचने के बजाय अंतरराष्ट्रीय राय को प्रभावित करने के मकसद से उठाया है। पाकिस्तान के कदम में दम नहीं: सिद्धू :सिद्धू ने 'पाकिस्तान का निलंबन का अंतरराष्ट्रीयकरण' शीर्षक वाले लेख में कहा है कि भारत के संधि को स्थगित करने के फैसले के बाद इस्लामाबाद का यह कदम एक द्विपक्षीय सुरक्षा और जल-संबंधी मुद्दे को एक वैश्विक मानवीय संकट के रूप में पेश करने की कोशिश है। इससे पाकिस्तान को तुरंत कोई फायदा नहीं होने जा रहा है। सद्धू ने तर्क दिया कि कई अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण भारत की ऊपरी-तटवर्ती राज्य के तौर पर स्थिति को नजरअंदाज कर देते हैं और दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं को ठीक से संबोधित करने में नाकाम रहते हैं। वह उन तर्कों को खारिज करते हैं, जो भारत के कदमों को महज पाकिस्तान की कूटनीतिक चाल की प्रतिक्रिया के तौर पर पेश करते हैं।

गाजियाबाद के मोदीनगर में स्कूलों पर लगेगा जुर्माना, सरकारी नियमों का पालन न करने पर नोटिस जारी

मोदीनगर, एजेंसी। शहर में स्कूल संचालकों द्वारा सरकारी नियमों का पालन नहीं किया तो शिक्षा विभाग जुर्माने की कार्रवाई करेगा। इसको लेकर शिक्षा विभाग की तरफ से शहर के सभी प्राइवेट स्कूलों को नोटिस जारी किया है। यह मुद्दा कांग्रेस पदाधिकारियों व अभिभावकों के द्वारा उठाया गया था, जिसपर एसडीएम मोदीनगर व शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कांग्रेस पदाधिकारियों व अभिभावकों के साथ वार्ता हुई। शनिवार को सभी स्कूलों को नोटिस जारी कर दिया गया है। शहर के अधिकांश प्राइवेट स्कूलों में सरकारी नियमों के आदेशों की अवहेलना को लेकर पिछले दिनों कांग्रेस पदाधिकारियों व अभिभावकों के द्वारा तहसील में शिकायत की गई थी। उनका आरोप था कि स्कूल में मनमर्जी से निजी प्रकाशन की किताबों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। इन किताबों की बिक्री स्कूल परिसर व स्कूल द्वारा अधिकृत दुकानों पर ही हो रही है। ये किताबें महंगी है। प्रकाशन द्वारा स्कूल प्रबंधन को मोटा कमीशन दिया जा रहा है। यही हाल स्कूल की ड्रेस व कापी, रजिस्टर का भी है। इसपर एक महीने पहले शिक्षा विभाग की तरफ से स्कूलों को नोटिस जारी किये। स्कूलों में निरीक्षण भी किया गया।

रिपोर्ट शिक्षा विभाग की तरफ से एसडीएम को सौंपी गई : शहर के कुछ स्कूलों में आरोप सही निकले। जिनकी रिपोर्ट शिक्षा विभाग की तरफ से एसडीएम को सौंपी गई। अब शनिवार को फिर से स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है। जिसमें साफ चेतावनी दी है यदि नियमों का पालन नहीं किया गया तो जुर्माना लगाया जाएगा। जुर्माने के बाद भी यदि स्कूल प्रबंधन नहीं माना तो आगे कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम मोदीनगर अजित कुमार सिंह ने बताया कि सरकारी गाइडलाइन के हिसाब से एनसीईआरटी पाठ्यक्रम स्कूलों में लागू करना अनिवार्य है। यदि कोई स्कूल नियमों का पालन नहीं करेगा तो जुर्माने के साथ अन्य कार्रवाई भी की जाएगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच फिर शुरू हुई 'बैक-चैनल' बातचीत 3 महीने में पूर्व जनरलों और राजनयिकों की सीक्रेट मीटिंग

इस्लामाबाद, एजेंसी। आपरेशन सिंदूर के एक साल बीतने के बाद अभी तक आधिकारिक तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच कोई संपर्क नहीं हुआ है। लेकिन भारत और पाकिस्तान दोनों के पूर्व सेना जनरलों और रिटायर्ड राजनयिकों ने पिछले तीन महीनों में कम से कम दो बार मुलाकात की है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक एक बार मुलाकात कतर में और दूसरी बार किसी अन्य एशियाई राजधानी में हुई है। हालांकि ये औपचारिक 'बैक-चैनल बातचीत' नहीं हैं लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह अपनी तरह की पहली बातचीत है। यह मुलाकातें ऐसे समय में हुई है जब आधिकारिक हलकों में इस्लामाबाद और रावलपिंडी के साथ इस तरह का संपर्क खोलने के पक्ष में आम सहमति बढ़ रही है।इंडियन एक्सप्रेस ने बताया है कि इस जरूरत को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के कार्यालय तक 'पहुंचाया' गया है और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को जानकारी दी गई है कि पाकिस्तान की तरफ से बातचीत की 'इच्छा' जताई गई है। आपको बता दें कि पाकिस्तान के नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर कई बार शर्तों के साथ भारत से बातचीत का प्रस्ताव रखा है लेकिन भारत की पहली शर्त यही है कि सहरद पार से जब तक आतंकवाद को बंद नहीं किया जाएगा भारत कोई भी बातचीत नही करेगा।

क्या भारत-पाकिस्तान में बैक चैनल बातचीत होगी :रिपोर्ट में बताया गया है कि बैक-चैनल के पक्ष में अभी तक कोई राजनीतिक फैसला नहीं लिया गया है लेकिन इस पुनर्विचार के पीछे एक मुख्य वजह यह जरूरत रही है कि किसी अन्य हमले की स्थिति में तनाव को 'नियंत्रित' किया जा सके। इंडियन एक्सप्रेस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि फिलहाल युद्ध की स्थिति में दोनों देशों के बीच संकट-प्रबंधन के लिए कोई स्थापित तंत्र मौजूद नहीं है।

बातचीत की जरूरत महसूस क्यों हुई है

भारत की तरफ से कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी बंद नहीं हुआ है बस उसे 'रोका गया है' और दिल्ली ने रेडलाइन खींच दी है कि आतंकी हमले की स्थिति में ऑपरेशन सिंदूर फिर शुरू कर दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि भविष्य में होने वाले किसी भी आतंकी हमले को 'युद्ध की कार्रवाई' माना जाएगा और सैन्य अभियान फिर से शुरू किए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि इसके लिए एक ऐसे 'नागरिक-स्तरीय और राजनीतिक-निर्देशित तंत्र' की आवश्यकता है जिसे सैन्य नेताओं की मदद से लागू किया जा सके। सूत्र ने बताया कि फिलहाल पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम में भूमिका निभा रहा है और असीम मुनीर ट्रंप प्रशासन के करीब हैं। ऐसे में अगर भारत में कोई आतंकी हमला होता है तो नई दिल्ली के लिए वैश्विक मंच पर अपनी बात रखना एक चुनौती भरा काम होगा ताकि इस्लामाबाद पर दबाव बनाया जा सके। इसीलिए भारतीय पक्ष अपने प्वाइंट तैयार कर रहा है। साउथ ब्लॉक (रक्षा मंत्रालय) में भी इस बात को माना गया है ।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह सम्मेलन में 197 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

नईगढ़ी में जिला स्तरीय आयोजन, सामाजिक समरसता और जनकल्याण की दिखी मिसाल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। नईगढ़ी में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह सम्मेलन के जिला स्तरीय कार्यक्रम में 197 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे सामूहिक विवाह एवं निकाह समारोह में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नवदंपत्तियों ने सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं के अनुरूप नए जीवन की शुरुआत की पूरे आयोजन में सामाजिक समरसता, सर्वधर्म समभाव और जनकल्याण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी नगर परिषद वार्ड क्रमांक-8 अंतर्गत मौहई खेल मैदान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में उत्सव जैसा माहौल रहा। विवाह मंडपों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और बड़ी संख्या में वर-

वधू के परिजन, जनप्रतिनिधि एवं आमजन समारोह के साक्षी बने। हिंदू जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार और अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए वहीं मुस्लिम जोड़ों का निकाह धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया प्रशासन द्वारा सभी समुदायों के लिए अलग-अलग एवं गरिमामय व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है उन्होंने कहा कि अब बेटियों के विवाह की चिंता सरकार स्वयं कर रही है और जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी परिवार के सदस्य की तरह उपस्थित होकर नवदंपत्तियों को आशीर्वाद दे रहे हैं। मनगवां विधायक इंजी. नरेन्द्र कुमार प्रजापति ने भी नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक विवाह आयोजन सामाजिक एकता और आर्थिक सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं समारोह के दौरान शासन की ओर से नवदंपत्तियों को निर्धारित सहायता राशि एवं उपहार सामग्री प्रदान की गई। नवविवाहित जोड़ों को घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्री भी वितरित की गई जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ऑपरेशन प्रहार के तहत नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समाज को नशामुक्त बनाने और युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा ऑपरेशन प्रहार अभियान के अंतर्गत 11 मई 2026 को विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उपसंचालक सामाजिक न्याय धनंजय मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि एक जन आंदोलन, नशीले पदार्थों के विरुद्ध थीम पर आधारित यह कार्यक्रम शाम 4:30 बजे गांधी चौक स्थित चौपाटी परिसर में आयोजित होगा कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशे के विरुद्ध व्यापक जनचेतना विकसित करना तथा युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के दौरान गुटखा, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों की प्रतीकात्मक होली जलाई जाएगी यह आयोजन समाज को यह संदेश देगा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है।

का मानना है कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए केवल कानून ही नहीं बल्कि जनसहभागिता और सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है। कार्यक्रम में विधायक सीधी रीती पाठक सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहेंगे इस दौरान विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने की शपथ भी दिलाई जाएगी जिला प्रशासन द्वारा ऑपरेशन प्रहार अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं स्कूलों, कॉलेजों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि युवा पीढ़ी शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों की ओर अग्रसर हो सके अभियान के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है।

कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है। उपसंचालक सामाजिक न्याय धनंजय मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर नशे के विरुद्ध इस जनजागरूकता अभियान को सफल बनाएं तथा नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष की मौत

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। भाजपा युवा मोर्चा के करकी मंडल अध्यक्ष राहुल द्विवेदी और उनके साथी अतुल तिवारी की मौत हो गई। दोनों युवक एक शादी समारोह से लौट रहे थे तभी हादसा हो गय जानकारी के अनुसार टिहकी गांव के रहने वाले राहुल और अतुल रात झिरिया गांव में एक शादी में शामिल होने गए थे। देर रात जब वे अपनी बाइक से घर वापस आ रहे थे तभी शहडोल-रीवा हाईवे पर जोरा पुलिया के पास किसी तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी हादसा इतना भयानक था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक वाहन समेत फरार हो गया रविवार की सुबह जब राहगीरों ने सड़क किनारे टूटी हुई बाइक और दो युवकों

के शव देखे तो पुलिस को खबर की सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश में हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। राहुल द्विवेदी क्षेत्र के एक सक्रिय युवा नेता थे जिनके निधन की खबर सुनते ही बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए अस्पताल परिसर में गमगीन माहौल रहा और नेताओं ने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया। इस हादसे ने जिले की यातायात व्यवस्था और तेज रफ्तार वाहनों पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं बताया जा रहा है कि पिछले महज एक हफ्ते के भीतर शहडोल जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में 9 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं इनमें कई मासूम और राहगीर भी शामिल हैं जो तेज रफ्तार का शिकार हुए हैं।

मछुआ समिति के सदस्यों से किया गया संवाद

गोरमा और रामसागर जलाशय में मछुआरों को आधुनिक मत्स्य पालन एवं शासकीय योजनाओं की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मछुआरों की समस्याओं के निराकरण, मत्स्य पालन को अधिक लाभकारी बनाने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से सहायक संचालक मत्स्य पालन अंजना सिंह द्वारा मऊगंज जिले के गोरमा एवं रामसागर जलाशय क्षेत्र में मछुआ समिति के सदस्यों से संवाद किया गया इस दौरान मछुआरों को आधुनिक तकनीकों से मत्स्य पालन करने, बचत योजनाओं से जुड़ने और आय बढ़ाने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। हनुमना विकासखंड स्थित गोरमा जलाशय में आदिवासी मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों के साथ मछुआ चौपाल आयोजित की गई चौपाल में सहायक संचालक अंजना सिंह ने मछुआरों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए आवश्यक सुझाव दिए उन्होंने मछुआरों को जलाशय में केज कल्चर तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया उन्होंने बताया कि केज लगाकर मत्स्य पालन करने से कम मेहनत में अधिक उत्पादन एवं बेहतर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। अंजना सिंह ने कहा कि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से मत्स्य पालन को स्वरोजगार का मजबूत माध्यम बनाया जा सकता है उन्होंने मछुआरों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक करते हुए बताया कि सरकार द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए कई प्रकार की आर्थिक सहायता एवं प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी प्रकार मऊगंज विकासखंड के देवरी गांव स्थित रामसागर जलाशय में भी मछुआ समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मछुआरों को सहकारी बैंक में खाते खुलवाने तथा बचत सह राहत योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के माध्यम से मछुआरों को आर्थिक सुरक्षा के साथ आपातकालीन परिस्थितियों में राहत प्राप्त हो सकेगी। बैठक के दौरान मछुआरों को मत्स्य पालन से संबंधित आधुनिक उपकरणों, बीज संवर्धन, जल संरक्षण और उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों की जानकारी भी दी गई। मछुआरों ने अपनी समस्याएं रखते हुए जलाशयों में सुविधाओं के विस्तार, प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहयोग की मांग की। अधिकारियों ने समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया कार्यक्रम में उपस्थित मछुआ समिति के सदस्यों ने विभागीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रमों से उन्हें शासन की योजनाओं की सही जानकारी मिलती है।

किराना दुकान और गोदाम में आग 2 लाख का सामान जला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के मड़वास थाना क्षेत्र के भदौरा गांव में रविवार दोपहर 1 बजे अनिल ट्रेडर्स के नाम से संचालित किराना दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गइ आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमने बाल्टियों से पानी डालकर और अन्य संसाधनों से आग बुझाने की पूरी कोशिश की लेकिन आग इतनी तेज थी कि दुकान के अंदर रखा कीमती सामान बाहर नहीं निकाला जा सका। दुकान संचालक ज्ञानचंद गुप्ता ने बताया कि आग लगने की सूचना तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई थी हालांकि गांव का क्षेत्र होने के कारण फायर ब्रिगेड की टीम समय पर नहीं पहुंच पाई। संचालक का आरोप है कि यदि दमकल की गाड़ी वक्त पर आ जाती तो काफी हद तक सामान को जलने से बचाया जा सकता था। सूचना मिलने पर मड़वास थाना प्रभारी अतर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया पुलिस ने घटना का पंचनामा तैयार कर जांच शुरू कर दी है।

चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल परिसर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चिकित्सा महाविद्यालय एवं उससे जुड़े समस्त चिकित्सालय परिसर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है महाविद्यालय प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मरीजों के उपचार, आईसीयू, डायलिसिस तथा ऑपरेशन थिएटर जैसी अत्यावश्यक सेवाओं को बिना किसी बाधा के संचालित रखने के लिए पर्याप्त विद्युत व्यवस्था उपलब्ध है। चिकित्सा महाविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय गांधी चिकित्सालय, जहां सर्वाधिक आईसीयू, डायलिसिस यूनिट एवं ऑपरेशन थिएटर संचालित हैं वहां बिजली आपूर्ति के लिए दो ट्रांसफार्मर वर्तमान में पूरी तरह क्रियाशील अवस्था में हैं। प्रशासन ने बताया कि पूर्व में खराब हुए ट्रांसफार्मर को प्राथमिकता के आधार पर समय रहते सुधार लिया गया था जिसके बाद वर्तमान में दोनों ट्रांसफार्मरों से अस्पताल को सुचारु रूप से बिजली आपूर्ति मिल रही है। इसी प्रकार गांधी स्मारक चिकित्सालय में भी विद्युत आपूर्ति के लिए अलग से दो ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। इनमें से एक ट्रांसफार्मर पूरी तरह कार्यरत जबकि दूसरा ट्रांसफार्मर मरम्मत के लिए लगभग दस दिन पूर्व जबलपुर भेजा गया है अस्पताल प्रशासन का कहना है कि उपलब्ध ट्रांसफार्मर से वर्तमान में विद्युत आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जा रही है। सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, जहां आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त आईसीयू स्थापित हैं वहां भी दो अलग ट्रांसफार्मरों के माध्यम से बिजली आपूर्ति की जा रही है दोनों ट्रांसफार्मर पूरी तरह क्रियाशील हैं और अस्पताल की आवश्यकताओं के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं इसके अतिरिक्त चिकित्सा महाविद्यालय परिसर के लिए एक अन्य अतिरिक्त ट्रांसफार्मर भी उपलब्ध है जो आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में उपयोग किया जा सकता है इस प्रकार संपूर्ण चिकित्सा परिसर में कुल छह ट्रांसफार्मरों के माध्यम से बिजली आपूर्ति की जा रही है जिससे अस्पताल की सभी आवश्यक सेवाएं सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल एक ट्रांसफार्मर मरम्मत के लिए जबलपुर भेजा गया है जबकि बाकी सभी ट्रांसफार्मर कार्यरत हैं प्रशासन द्वारा विद्युत व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और स्वास्थ्य सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहें। चिकित्सा महाविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि अस्पतालों में गंभीर मरीजों के उपचार को देखते हुए विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी तत्काल उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे चिकित्सा सेवाओं में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर शुरू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जिले के दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं भारत सरकार की योजना अंतर्गत आयोजित इन शिविरों का संचालन भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को के सहयोग से किया जाएगा। विभागीय जानकारी के अनुसार जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों में 11 मई से 15 मई 2026 तक चरणबद्ध तरीके से शिविर लगाए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के तहत 11 मई को जनपद पंचायत सीधी, 12 मई को सिहावल, 13 मई को मझौली, 14 मई को रामपुर नैकिन तथा 15 मई को कुसमी जनपद पंचायत में शिविर आयोजित होंगे इन शिविरों में पूर्व से चिन्हांकित एवं चयनित दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न सहायक उपकरण नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे। लाभार्थियों को व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, वॉकर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, छड़ी एवं कमोड चेयर जैसे उपकरण वितरित किए जाएंगे जिससे उनके दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ेगी और आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। सामाजिक न्याय विभाग ने बताया कि जिन हितग्राहियों का पूर्व में पंजीयन एवं चयन किया जा चुका है वे निर्धारित तिथि पर अपनी पंजीयन पर्ची अथवा रसीद के साथ शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों तक सूचना पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर संपर्क अभियान एवं जनजागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है सहायक उपकरणों की सहायता से न केवल उनकी शारीरिक कठिनाइयों को कम किया जा सकेगा बल्कि उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अधिक सक्रिय और आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा शिविरों के सुचारू संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। शिविर स्थलों पर हितग्राहियों की सुविधा के लिए बैठने, पंजीयन एवं उपकरण वितरण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में समर कैंप का भव्य शुभारंभ

खेल, संगीत और व्यक्तित्व विकास गतिविधियों से निखरेगी विद्यार्थियों की प्रतिभा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश को रचनात्मक रूप से उपयोगी बनाने के उद्देश्य से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 सीधी में 10 मई से 20 मई 2026 तक आयोजित होने वाले समर कैंप का शुभारंभ रविवार सुबह उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ इसके बाद खेल गतिविधियों की शुरुआत की गई जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कैंप में

वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल एवं बैडमिंटन जैसे खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें अनुशासन टीम भावना और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया उन्होंने विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया। समर कैंप के उद्घाटन अवसर पर कलेक्टर ने कैंप के नोडल अधिकारी एवं उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के प्राचार्य शंभू नाथ त्रिपाठी को बैज लगाकर जिम्मेदारी सौंपी कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी पीके सिंह, जिला परियोजना समन्वयक विनय मिश्रा, बीआरसी डॉ. राजेश पांडे, जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी पंकज पांडे, सांदीपनि विद्यालय की प्राचार्य आरती पांडे, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुर्द की प्राचार्य वर्षा गौतम, पीएम आदर्श कन्या हाई स्कूल की प्राचार्य रंजना मिश्रा, अजीता द्विवेदी सहित जिले के अनेक प्राचार्य, शिक्षक एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे। समर कैंप के अंतर्गत खेल गतिविधियां प्रतिदिन प्रात: 5:30 बजे से 7:30 बजे तक तथा सायंकाल 5:30 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित की जाएंगी विद्यार्थियों को खेलों के साथ-साथ संगीत की विभिन्न विधाओं जैसे तबला, ढोलक, हारमोनियम एवं पियानो का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कैंप के दौरान विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु न्यायालय परिसर, कलेक्ट्रेट भवन, चिकित्सालय एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का एक्सपोजर विजिट भी कराया जाएगा साथ ही 19 मई को विद्यार्थियों को एक शिक्षाप्रद फिल्म दिखाकर सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

महावीर अभियान के तहत पक्षियों के संरक्षण की अनूठी पहल

हर सकोरा बना जीवन का सहारा, सीधी में दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भीषण गर्मी के बीच पक्षियों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देने के उद्देश्य से सीधी शहर में 'महावीर अभियान' के अंतर्गत एक प्रेरणादायी पहल की गई अभियान के तहत शहर के प्रमुख स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी से भरे सकोरे रखे गए। कलेक्ट्रेट परिसर, जिला न्यायालय परिसर, पूजा पार्क, मेघदूत पार्क, बस स्टैंड तथा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 परिसर में लगाए गए सकोरे गर्मी में पक्षियों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रहे हैं अभियान का उद्देश्य केवल पक्षियों को पानी उपलब्ध कराना ही नहीं बल्कि समाज में जीव दया, पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करना भी रहा। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील होना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों, छतों और आसपास भी पक्षियों के लिए पानी और दाना रखने की अपील की इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सोनू जैन तथा अधिवक्ता संघ अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह ने अभियान की सराहना करते हुए इसे सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल बताया। अभियान में एनसीसी, स्काउट एवं एनएसएस के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता विशेष आकर्षण रही विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न स्थलों पर सकोरे स्थापित किए तथा लोगों को पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

क्रिकेट का जलवा

संपादकीय

क्रिकेट का यह सीजन हिमाचल को नया नाम और शोहरत का पैगाम दे रहा है, तो इससे संपूर्ण खेलों का माहौल और खेल पर्यटन का अंदाज बदलना चाहिए। आईपीएल की श्रृंखला में पहले ही तीन मैच यहां होने तय हैं, तो अब एक क्वालिफायर जुडऩे से धर्मशाला में क्रिकेट स्टेडियम की चर्चा पूरे सीजन की करामात में दर्ज होगी। इसके बाद जून में अफगानिस्तान टीम का एक मैच भी यहां के अंतरराष्ट्रीय महत्त्व को दर्शकों की पलकों पर बैठाएगा। हैरानी यह कि क्रिकेट से काफी पहले धर्मशाला में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं खास तौर दुर्गामल-दलबहादुर फुटबाल ट्रॉफी होती आई है, लेकिन खेल अधोसंरचना मुकम्मल नहीं हुई। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बन रहे फुटबाल स्टेडियम भी अगर क्रिकेट अधोसंरचना का अनुसरण करता तो अब तक फुटबाल के कई महाकुंभ लग चुके होते। प्रदेश की कृत्रिम झीलों में साहसिक व जल क्रीड़ाओं के लिए आवश्यक ढांचा बने, तो राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय तालिकाओं के दावे हिमाचल से बढ़ सकते हैं। काफी वर्षों से भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में धर्मशाला की पहाडिय़ों पर हाई अल्टीट्यूट खेल प्रशिक्षण केंद्र की रूपरेखा बनाई और मिटाई जा रही है, तो हम मान सकते हैं कि राजनीति का खेल हर संभावना पर भारी है। दूसरी ओर क्रिकेट की नब्ज पर हाथ रखते हुए सांसद अनुराग ठाकुर ने अगर एक स्टेडियम का संकल्प लिया, तो नतीजे सामने हैं। यह सिर्फ आईपीएल या दूसरे अंतरराष्ट्रीय मैच ही नहीं, बल्कि आम दिनों में भी क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों के मेले लगते हैं। हिमाचल में ऐसे कई दर्शनीय मैदान हैं और अगर वहां विभिन्न खेलों की अधोसंरचना विकसित करने के अलावा अकादमियां विकसित की जाएं, तो सारे राष्ट्र के तमगे यहां तैयार होंगे।

विडंबना यह है कि विकास के नाम पर ऐतिहासिक मैदानों पर कंक्रीट उगाया जाने लगा है। सुजानपुर मैदान की आधी विरासत कई विभागों के नाम हो गई है, तो धर्मशाला के मैदान के एक बड़े भाग पर पुलिस ने इमारतों की जुंबिश लगा दी है। कुल्लू, चंबा, मंडी, नाहन, धर्मशाला और सोलन के प्रमुख मैदान खेल विभाग के नाम होने चाहिएं। इसी तर्ज पर हर शहर में कम से कम चार और हर गांव में अनिवार्य रूप से एक मैदान विकसित करना होगा। धर्मशाला में आईपीएल के चार मैचों का नूर पर्यटन व होटल इंडस्ट्री पर चढ़ेगा। हिमाचल के प्रवेश द्वारों से धर्मशाला तक का खेल सफर निपुण होकर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है। होना तो यह चाहिए कि हम क्रिकेट प्रेमियों की तरह फुटबाल, वालीबाल, एथलेटिक्स, पैराग्लाइडिंग, वाटर स्पोर्ट्स, हॉकी व अन्य खेलों के प्रेमियों को अलग-अलग स्थानों पर आकर्षित करें।

पुस्तक समीक्षा - वैज्ञानिक अप्रैल - जून 26 डॉ शिव गोपाल मिश्र स्मृतिअंक

समीक्षक-संजय गोस्वामी

संपादक : ब्रजेश कुमार सिन्हा, राजेश कुमार मिश्र व अन्य
प्रकाशक : हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई

वैज्ञानिक का अप्रैल -जून 26 अंक डॉ शिव गोपाल मिश्र स्मृतिअंक है जिसमें हिंदी में विज्ञान लेखन के प्रमुख स्तंभ डॉ. शिव गोपाल मिश्र का 24मार्च को 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया था जिसके वे प्रधानमंत्री रहें विज्ञान परिषद की स्थापना 1913 में हुई और 1915 में देश की पहली विज्ञान की पत्रिका विज्ञान का प्रकाशन हुआ यानि आजादी से पहले ही भारत में विज्ञान संचार की नींव विज्ञान परिषद, प्रयाग ने रखी जब अंग्रेजी हुकूमत में प्रिंट करना बड़ा काम था अतः देश की आजादी में हिंदुस्तान की आवाम को विज्ञान से जोड़ कर रखना एक मुश्किल काम था और आज 1956 में आप विज्ञान परिषद से जुड़े और विज्ञान पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य बने। 1958 में जब विज्ञान परिषद् प्रयाग द्वारा देश की प्रथम हिन्दी शोध पत्रिका विज्ञान परिषद् अनुसंधान पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ किया गया तो उसके संपादक डा0 सत्यप्रकाश जी ने डा0 शिवगोपाल मिश्र को इस पत्रिका का प्रबंध संपादक नियुक्त किया।

लेखक डॉ दीपक कोहली के अनुसार स्वर्गीय प्रोफेसर शिवगोपाल मिश्र का निधन भारतीय वैज्ञानिक, शैक्षिक तथा हिंदी विज्ञान लेखन की परंपरा के लिए एक गहरी क्षति के रूप में दर्ज किया जाएगा। उनका व्यक्तित्व उन विरल शिक्षाविदों और विज्ञान-संवर्धकों में था, जिन्होंने न केवल विज्ञान को आत्मसात किया, बल्कि उसे समाज के व्यापक सरोकारों से जोड़ने का आजीवन प्रयास किया। वे इस तथ्य के प्रबल समर्थक थे कि विज्ञान की प्रासंगिकता तभी सुनिश्चित होती है, जब वह जनमानस की भाषा में, उसकी बौद्धिक संरचना के अनुरूप और उसके जीवनानुभवों से संवाद स्थापित करते हुए प्रस्तुत किया जाए। प्रोफेसर मिश्र का कार्यक्षेत्र बहुआयामी था, किंतु उनकी पहचान विशेष रूप से विज्ञान परिषद प्रयाग, प्रयागराज से जुड़ी रही, जहाँ उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में दीर्घकाल तक कार्य करते हुए संस्था को एक सुदृढ़ वैचारिक आधार प्रदान किया। 1913 में स्थापित विज्ञान परिषद प्रयाग ने हिंदी में विज्ञान के प्रचार-प्रसार को एक संगठित आंदोलन का स्वरूप दिया था। औपनिवेशिक काल में जब ज्ञान-विज्ञान की भाषा के रूप में अंग्रेजी का वर्चस्व स्थापित हो चुका था, उस समय हिंदी में विज्ञान को प्रतिष्ठित करना एक बौद्धिक और सांस्कृतिक चुनौती थी। इस चुनौती का सामना परिषद ने जिस प्रतिबद्धता के साथ किया, प्रोफेसर मिश्र ने उसी परंपरा को समकालीन संदर्भों में पुनर्स्थापित और विस्तारित किया। उनके कार्यकाल में परिषद की गतिविधियों का स्वरूप अधिक गतिशील, समावेशी और समाजोन्मुख हुआ। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि विज्ञान का विमर्श केवल अकादमिक परिसरों तक सीमित न रह जाए, बल्कि वह विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामान्य जनजीवन तक पहुँचे। वैज्ञानिक व्याख्यानमालाएँ, संगोष्ठियाँ, छात्र-केंद्रित कार्यशालाएँ तथा विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम उनके नेतृत्व में निरंतर विस्तारित हुए। इन आयोजनों का उद्देश्य केवल सूचना का प्रसार नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास था, एक ऐसा दृष्टिकोण जो जिज्ञासा, तर्कशीलता और प्रमाण-आधारित चिंतन को प्रोत्साहित करता है। शिक्षण के क्षेत्र में प्रोफेसर मिश्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे उन शिक्षकों में थे, जिनके लिए अध्यापन एक औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि एक बौद्धिक प्रतिबद्धता थी। उनके कक्षा-कक्ष में ज्ञान का संप्रेषण एकतरफा न होकर संवादात्मक होता था। वे छात्रों को प्रश्न पूछने, स्थापित मान्यताओं पर पुनर्विचार करने और स्वतंत्र चिंतन विकसित करने के लिए प्रेरित करते थे। इस प्रकार उन्होंने न केवल विषय-विशेषज्ञ तैयार किए, बल्कि ऐसे युवा मस्तिष्कों का निर्माण किया, जो वैज्ञानिक पद्धति को जीवन के विविध आयामों में लागू करने में सक्षम हों। उनके निर्देशन में संपन्न हुए शोध कार्यों की गुणवत्ता और विविधता इस बात का प्रमाण है कि वे अनुसंधान को किस गंभीरता से लेते थे। उनके लिए शोध केवल शैक्षणिक उपाधि प्राप्त करने का माध्यम नहीं था, बल्कि ज्ञान-निर्माण की एक सतत प्रक्रिया थी, जिसका अंतिम लक्ष्य समाज की समस्याओं के समाधान में योगदान देना है।

राम के नाम से मस्तिष्क में आती है आत्मज्ञान

जब मस्तिष्क का जब दसवां भाग भी सही तरह से मनुष्य यूज नहीं कर रहा रहा।तो उसका एक मात्र कारण है आत्मज्ञान का अभाव। ध्यान की प्रगाढ़ता से मस्तिष्क तंत्र अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं। ब्रह्म तेज से मस्तिष्क की सभी तंत्रिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। इसलिए ध्यान में बैठना चाहिए। ब्रह्म प्रकाश से बहुत से तंत्रिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। सारे अलग-अलग प्राणीयो के झुंड में से एक एक प्राणी को थोड़ा दुर लेजाकर छोड़ दो तो समझ लेना वो वहां ही जायेगा जहां उनकी जात के प्राणी हो, इससे सिख मिलता है कि अवश्य हमें भी अपने ही साथी जनों के साथ रहना चाहिए अन्यथा दुसरे तो घेराव बना कर तोड़-मरोड़ देंगे मीराबाई ने जो अपने गुरु से दीक्षा ली है वो श्री राम नाम की ली है संत शिरोमणि रविदास जी से ली है रविदास जी श्री रामानंद जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य हैं !

संजय गोस्वामी

- नींद में सुधारः कुछ शोध बताते हैं कि शांत, सुकून देने वाला भगवान राम का ध्यान नींद की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है. ! रोग प्रतिरोधक क्षमताः नियमित रूप से भगवान राम के ध्यान से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत हो सकती है ! संक्षेप में, भगवान राम की दया और करुणामई कार्य को ध्यान कर मस्तिष्क एक सुकून और जिस चीज में मोह का अनुभव करता है वो भगवान राम की त्याग की भावनाओं, यादों और से शारीरिक प्रतिक्रियाओं को एक साथ प्रभावित करता है, जिससे समग्र मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है ! अगर आप अपने शरीर को मज़बूत बनाना चाहते हैं, तो जिम ना जाकर पहले मस्तिष्क को गलत विचारसे मुक्त हो जाएँ। अगर आप अपने दिमाग़ की कसरत करना चाहते हैं, तो राम का भजन और संगीत सुनें। बहुत कम चीजें हैं जो रामरस आपके मस्तिष्क को उत्तेजित करती हैं। अगर आप उम्र बढ़ने की प्रक्रिया के दौरान अपने मस्तिष्क को सक्रिय रखना चाहते हैं, तो भगवान राम का शान्ति मन से ध्यान करें और चुप रहें उनपर छोड़ दीजिए वो जो करेंगे क़ोई और नहीं कर सकता है क्योंकि सृष्टि को उसी ने रचना की है राम नाम का ध्यान करने से चिंता, रक्तचाप और दर्द कम हो सकता है, साथ ही नींद की गुणवत्ता, मनोदशा, मानसिक सतर्कता और स्मृति में सुधार हो सकता है। नई वायु तत्व और मन - छप चुकी है ।वायु हमारा जीवन है । सांस के बिना हम 5 मिनट से ज्यादा जीवित नहीं रह सकते । यह पुस्तक आप को जीवन में हर प्रकार की सफलता दिलाएगी । आप का जीवन महत्वपूर्ण बन जाएगा । इस प्रकार सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान, परमानंद स्वरूप, अविनाशी, करुणा वरूणालय ,कृपा सिंधु ,देखने और व्यवहार में सर्वांग सुंदर देवता उपासना का विज्ञान यही है की साधना का जीवन क्रम क्रम से कर्म, कारण, वासना ,और अहम एक अद्वितीय सच्चिदानंद ब्रह्म के प्रति समर्पित हो जाए ।काल क्रम से, महापुरुषों की कृपा से, अथवा वासनाक्षय से ,जब उसे उस ब्रह्म तत्व की प्राप्ति की जिज्ञासा हो जाएगी, तब परोक्ष देवता के सभी गुना का जो वास्तव में सच्चिदानंद के विलास हैं, समन्वय आत्मा के परमार्थ स्वरूप में उपलब्ध हो जाएगा, तत और त्वम की एकता के बोध से, -भगवान राम तत्व ज्ञा न प्राप्त किया जा सकता , जो कारक,फल रूप द्वैत प्रपंच का अपमर्दन हो जाता है। इसलिए बाद में तो किसी आरोप और उपासना की आवश्यकता ही नहीं है ।पहले करो तो ठीक है, जब तक की सत्यप्रतिज्ञत्व, अहिंसकत्व, एवं निष्कामत्व, स्व प्रतिष्ठित ना हो जाए ।राम जड़ ध्यान के संबंध में अस्तेय होता है- चोरी न करना, जो जड़ वस्तु को अपने लिए आवश्यक और सुख रूप समझेगा, वही जड़ वस्तु की चोरी करेगा। अतःचिद् भाव का संबंध है अस्तेय का और अपरिग्रह का ज्ञान राम से प्राप्त होता है । इसी प्रकार सद्भाव के साथ संबंध है सत्य और अहिंसा का ।आनंद भाव का संबंध है ब्रह्मचर्य का। काम स्वब्रह्मचर्य भंग प्रधान है और संग्रह परिग्रह वह अन्य वस्तु संग्रह प्रधान है और दोनों आनंद के विवर्त हैं। तत्व ज्ञान के लिए भगवान राम की उपासना करेंगे तो यह संभव है। एकत्व ज्ञान से निवृत हुआ मिथ्या द्वैतज्ञान का फिर संभव नहीं है जिससे कि ब्रह्म उपासना विधि का अंग प्राप्त हो। यह पीस ब्रह्म सूत्र से लिया गया है। एक दिन, मीरा ने भोजराज से कहा,आपकी आज्ञा हो तो एक निवेदन करूँ। क्यों नहीं? फरमाइए। भोजराज ने अति विनम्रता से कहा। मेड़ते में तो संत आते ही रहते थे। वहाँ सत्संग मिला करता था। प्रभु के प्रेमियों के मुख से झरती उनकी रूप-गुण-सुधा के पानसे सुख प्राप्त होता है, वह जोशीजी के सुख से पुराण कथा सुनने में नहीं मिलता।यहाँ सत्संग का भाव मुझे सदा अनुभव होता है। भोजराज गम्भीर हो गये-यहाँ महलो में तो संतो के प्रवेश की आज्ञा नहीं है। हाँ, किले में संत महात्मा आते ही रहते है,किन्तु आपका बाहर पधारना कैसे हो सकता है ? सत्संग बिना तो प्राण तृषा (प्यास) से मर जाते है। मीरा ने उदास स्वर में कहा। ऐसा करते है, कि कुम्भ श्याम के मंदिर के पास एक और मंदिर बनवा दे। वहाँ आप नित्य दर्शन के लिए पधारा करें। मैं भी प्रयत्न करूँगा कि गढ़ में आने वाले संत वहाँ मंदिर में पहुँचे। इस प्रकार मैं भी संत दर्शन करके लाभ ले पाऊंगा और थोडा बहुत ज्ञान मुझे भी मिलेगा। जैसा आप उचित समझें -मीरा ने प्रसन्नता से कहा। महाराणा (मीरा के ससुर) का आदेश मिलते ही मंदिर बनना आरंभ हो गया। अन्तः पुर में मंदिर का निर्माण चर्चा का विषय बन गया महल में स्थान का संकोच था क्या? यह बाहर मंदिर क्यूँ बन रहा है? अब पूजा और गाना-बजाना बाहर खुले में होगा ? सिसौदियों का विजय ध्वज तो फहरा ही रहा है. अब भक्ति का ध्वज फहराने के लिए यह भक्ति स्तम्भ बन रहा है। जितने मुहँ उतनी बातें। मंदिर बना और शुभ मुहूर्त में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। धीरे धीरे, सत्संग की धारा बह चली। उसके साथ ही साथ मीरा का यश भी शीत की सुनहरी धूप-सा सुहावना हो कर फैलने लगा। मीरा के मंदिर पधारने पर उसके भजन और उसकी ज्ञान वार्ता सुनने के लिए भक्तो संतो का मेला लगने लगा। बाहर से आने वाले संतो के भोजन, आवास और आवश्यकता की व्यवस्था भोजराज की आज्ञा से जोशीजी करते। गुप्तचरों से मन्दिर में होने वाली सब गतिविधियों की बातें महाराणा बड़े चाव से सुनते । कभी कभी वे सोचते - बड़ा होना भी कितना दुखदायी है ? यदि मैं महाराणा याँ मीरा का ससुर न होता , मात्र कोई साधारण जन होता तो सबके बीच बैठकर सत्संग -सुधा का मैं भी निसंकोच पान करता । मैं तो ऐसा भाग्यहीन हूं कि अगर मैं वेश भी बदलूँ तो पहचान लिया जाऊँगा । जैसे जैसे बाहर मीरा का यश विस्तार पाने लगा , राजकुल की स्त्री -समाज उनकी निन्दा में उतना ही मुखर हो उठा । किन्तु मीरा इन सब बातों से बेखबर अपने पथ पर दृढ़तापूर्वक पग धरते हुये बढ़ती जा रही थी। उन्हें ज्ञात होता भी तो कैसे ? मीराबाई का विवाह महाराणा सांगा के पुत्र भोजराज से कर दिया गया। देवताओं ने ऋषियों से कहा कि भगवान राम ही रावण के अत्याचारों से मुक्ति दिला सकते हैं। बाद में मीरा के भक्ती से भोजराज सचमुच उनकी ढाल बन गये थे परिवार के क्रोध और अपवाद के भाले वे अपनी छाती पर झेल लेते ।भोजराज और मीराबाई के बीच मित्रता और समझ का संबंध था, भोजराज मीराबाई की काव्य प्रतिभा की सराहना करते थे और महल परिसर में भगवान कृष्ण का मंदिर बनवाने की उनकी इच्छा को पूरा करते थे।

समय : जीवन का सबसे अनमोल धन

सुनील कुमार महला

किसी कवि ने ठीक ही कहा है-समय-समय की वार्ता, समय-समय का फेर, समय लगा दे ठाठ-बाट, जाते न लागे देर। अर्थात समय बहुत शक्तिशाली होता है। वह कब किसी को ऊँचाई पर पहुँचा दे और कब सब कुछ बदल दे, यह कोई नहीं जानता। मनुष्य के जीवन में समय का बहुत बड़ा महत्व है, लेकिन दुख की बात यह है कि अधिकांश लोग इसकी सही कीमत नहीं समझते। जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है और उसका सदुपयोग करना जानता है, वह जीवन के किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहता। हमें यह याद रखना चाहिए कि बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। इसीलिए संस्कृत में कहा गया है कि-गतः कालो नायाति। समय के साथ यदि हम कार्य में मेहनत करते हैं तो हमें सफलता की प्राप्ति होती है। हमारे यहां संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में यह कहा गया है कि-उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः। 'अर्थात-कार्य केवल इच्छा करने से नहीं, बल्कि समय पर परिश्रम करने से सिद्ध होते हैं। याद रखिए कि ईश्वर ने संसार के प्रत्येक व्यक्ति को समान रूप से चौबीस घंटे दिए हैं। चाहे कोई अमीर हो या गरीब, विद्यार्थी हो या अधिकारी, समय सबके लिए बराबर है। अंतर केवल इतना होता है कि कोई व्यक्ति अपने समय को अच्छे कार्यों में लगाता है, जबकि कोई उसे आलस्य, बेकार की बातों और निरर्थक कार्यों में गंवा देता है। आजकल हर व्यक्ति यह कहते हुए दिखाई देता है कि उसके पास समय नहीं है, लेकिन वास्तव में समय की कमी नहीं होती, बल्कि समय के सही उपयोग की कमी होती है। समय लगातार चलता रहता है। वह कभी किसी का इंतजार नहीं करता। जो व्यक्ति समय के साथ चलना सीख लेता है, वही आगे बढ़ता है।

अक्सर मनुष्य समय को अपना शत्रु मान लेता है। उसे लगता है कि समय बहुत जल्दी निकल रहा है या उसके पास पर्याप्त समय नहीं है। इसी सोच के कारण वह तनाव और चिंता में रहने लगता है। लेकिन समय न कभी जल्दी करता है और न देर, वह अपनी गति से चलता रहता है। जब हम समय से लड़ते हैं, तो केवल थकते हैं, लेकिन जब हम समय को समझते हैं और उसके साथ चलना सीखते हैं, तब वही समय हमें बहुत कुछ सिखाता है। समय हमें धैर्य, अनुभव, समझ और परिपक्वता प्रदान करता है। जीवन का हर चरण अपने साथ कोई न कोई सीख लेकर आता है। बचपन, युवावस्था और वृद्धावस्था-हर अवस्था का अपना महत्व होता है। जो व्यक्ति हर पल को अच्छे ढंग से जीता है और हर अनुभव से सीखता है, वही जीवन का वास्तविक आनंद प्राप्त करता है। समय के साथ मित्रता करने का अर्थ है कि हम अपने वर्तमान को स्वीकार करें और हर कार्य को सही समय पर पूरा करें। यदि विद्यार्थी समय पर अध्ययन करे, किसान समय पर खेती करे और कर्मचारी समय पर अपना कार्य करे, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। हर क्षण का, हर पल का सदुपयोग जरूरी है। जैसा कि संस्कृत में कहा गया है कि-क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत।क्षणत्यागे कुतो विद्या कणत्यागे कुतो धनम। इसका मतलब यह है कि क्षण-क्षण और कण-कण का सदुपयोग करके ही विद्या और धन प्राप्त होते हैं। यदि क्षण नष्ट कर देंगे तो विद्या कैसे मिलेगी और कण न बचाएँगे तो धन कैसे आएगा। इतिहास गवाह है कि जिन्होंने समय का सम्मान किया, उन्होंने जीवन में बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। वहीं जो लोग समय को व्यर्थ गंवाते रहे, उन्हें बाद में पछताना पड़ा। इसलिए हमें समय की कीमत समझनी चाहिए और उसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। समय सबसे मूल्यवान धन है, क्योंकि एक बार बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। यदि हम अपने समय का सदुपयोग अच्छे कार्यों, मेहनत और सकारात्मक सोच में करें, तो जीवन निश्चित रूप से सफल और सुखद बन सकता है। समय पर किया गया कर्म ही सफलता का आधार होता है।

महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को 'शक्ति ', 'मातृशक्ति' और 'आधी दुनिया' कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर 'सुरक्षित' या 'कमजोर' उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए 'उपयुक्त क्षेत्र' नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना केवल महिलाओं का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। यदि आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहेगी, तो लोकतंत्र भी आधा-अधूरा ही रहेगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा।

चिरमिरी को मिलेगी रोशनी की आज़ादी – 75 साल बाद पहली बार पहुंचेगी शहर के सभी वार्डों में सरकारी बिजली

मुख्यमंत्री के संकल्प और स्वास्थ्य के प्रयासों से बदल रही है चिरमिरी की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कल्पना कीजिए देश आज़ाद हुआ दशक बदले, सरकारें बदलीं, लेकिन चिरमिरी के एस.ई.सी.एल. क्षेत्र के आस पास के हज़ारों परिवार आज तक एक बुनियादी सुविधा से महरूम रहे वो सुविधा जिसे हम सब बहुत जरूरी मानते हैं अपनी खुद की सरकारी बिजली।

75 साल की यह दास्तान अब खत्म हो रही है: चिरमिरी के एस.ई.सी.एल. क्षेत्र में रहने वाले लोग पीढ़ियों से कोयले की खदानों के बीच रहते आए, लेकिन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (CSPDCL) की सरकारी बिजली उनके घरों तक कभी नहीं पहुंची। बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग यही सोचते रहे कि उन्हें शायद कोयला खदान की उस बिजली के भरोसे ही रहना होगा जो आती कम और जाती ज्यादा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का वादा, अब हकीकत बना: 09 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिला मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर के प्रवास के दौरान नगर निगम चिरमिरी में CSPDCL से बिजली आपूर्ति की घोषणा की थी। यह महज एक राजनीतिक घोषणा नहीं थी – यह उन लाखों आंखों की उम्मीद थी जो दशकों से टकटकी लगाए बैठी थीं। 8 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार राज्य शासन की मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत 30 मार्च 2026 को 53.08 करोड़ की राशि चिरमिरी नगर निगम को आवंटित की गई। पुराने बजट की शेष 0.49 करोड़ की राशि मिलाकर कुल ?53.57 करोड़ से अधोसंरचना विकास कार्य अब वर्ष 2026-27 में प्रारंभ होगा। क्षेत्र के स्थानीय विधायक और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा – 'यह सिर्फ सरकारी बिजली नहीं है, यह चिरमिरी के लोगों को उनका हक मिलना है आज़ादी के बाद से जो सपना अधूरा था, मुख्यमंत्री जी की दूरदृष्टि और संवेदनशीलता से वो पूरा हो रहा है मैं क्षेत्र की जनता की ओर से उनका अभिनंदन करता हूं। 53.08 करोड़ की इस परियोजना से चिरमिरी के एस.ई.सी.एल. क्षेत्र के सभी वार्डों में CSPDCL का पूर्ण विद्युत अधोसंरचना नेटवर्क बिछाया जाएगा। जिस धरती ने देश को कोयले से रोशन किया, आज उसी धरती के लोगों को बिजली का उजाला मिलने जा रहा है चिरमिरी के डोमनहिल, गेल्हापानी, कोरिया कॉलरी व पोड़ी जैसे दूरस्थ क्षेत्र जहां सरकारी बिजली एक सपने जैसा था वो क्षेत्र भी अब सरकारी बिजली से रोशन होने वाले है यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक सुनहरा अध्याय है चिरमिरी की आंखों में आज जो चमक है वो किसी बल्ब की नहीं उनकी उम्मीद पूरी होने की रोशनी है।

बगीचा मंदिर में पूजा को लेकर विवाद मंदिर आने पर दी जान से मारने की धमकी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के करैरा थाना क्षेत्र स्थित बगीचा मंदिर में पूजा-अर्चना को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया इस दौरान जमकर लाठी-डंडे जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। यादव मोहल्ला फिल्टर रोड निवासी 55 वर्षीय अखिलेश दुबे ने बताया कि बगीचा मंदिर परिसर में जनता के सहयोग से राम मंदिर का निर्माण कराया गया है इस मंदिर में पूजा के लिए आनंद शर्मा और धर्मेंद्र शर्मा को नियुक्त किया गया है जबकि पुराने हनुमान मंदिर की पूजा राजेंद्र गिरी महाराज करते हैं। फरियादी अखिलेश दुबे के अनुसार राम मंदिर के पुजारी आनंद शर्मा ने उन्हें फोन पर बताया कि कुछ लोग उन्हें मंदिर में पूजा करने से रोक रहे हैं। इसके बाद अखिलेश दुबे राम मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष भोला उर्फ राजेश दुबे, नीलेश दुबे, संतोष शर्मा, प्रिंस दुबे, कालीचरण और कपिल दुबे के साथ बगीचा मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने धीरज यादव, रवि गुर्जर, महेश गुर्जर और सोनू गुर्जर से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी रवि गुर्जर ने सरिया से भोला उर्फ राजेश दुबे पर हमला कर दिया जिससे उनके सिर, हाथ और पैर में चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे अखिलेश दुबे पर महेश गुर्जर ने डंडे से हमला किया जिससे उनकी उंगलियों में चोट आई और उनका मोबाइल भी टूट गया। सोनू गुर्जर ने नीलेश दुबे तथा धीरज यादव ने कालीचरण के साथ मारपीट की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि बाद में कल्लू पाल बाबा और दो अन्य अज्ञात लोगों ने कपिल दुबे, संतोष शर्मा, प्रिंस दुबे, आनंद शर्मा और धर्मेंद्र शर्मा के साथ भी लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की। घटना के दौरान सतीश शर्मा, धीरज शर्मा और छुन्नू शर्मा ने बीच-बचाव किया। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने दोबारा मंदिर पर पूजा करने आने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

युवक ने घर में लगाई फांसी, दो महीने पहले हुई थी शादी

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। हथवास में शनिवार को एक नवविवाहित युवक ने फांसी लगा ली युवक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान प्रकाश मौर्य के रूप में हुई है घटना के समय उसके पिता हरिशंकर काछी और छोटा भाई खेत पर गए हुए थे घर पर प्रकाश की पत्नी और मां मौजूद थीं इसी दौरान किरायेदार ने प्रकाश को पंखे से लटका देख परिजन को सूचना दी परिजन उसे तुरंत सरकारी अस्पताल ले गए। जांच अधिकारी एसआई किशन उईके ने बताया कि प्रकाश का विवाह महज दो महीने पहले ही हुआ था घर में खुशियों का माहौल था ऐसे में उसके इस आत्मघाती कदम से हर कोई हैरान है। पिता ने पुलिस को बताया कि उन्हें बेटे के इस फैसले के पीछे के कारणों की कोई जानकारी नहीं है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया है फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि परिजन के बयान दर्ज होने और मामले की बारीकी से जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

80 दिनों में लगभग 70 'सृजन संवाद' आयोजित, समाज के विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को सशक्त बनाने तथा पुलिस और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से भोपाल में लगातार जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भोपाल पुलिस कमिश्नरेट, आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज एवं उदय सामाजिक विकास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 'सृजन संवाद' कार्यक्रम का आयोजन आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में किया गया। कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक पुलिसिंग, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति, कैरियर मार्गदर्शन, जेंडर आधारित भेदभाव, बाल संरक्षण, सामाजिक न्याय एवं बाल पुनर्वास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा मार्शल आर्ट का प्रभावशाली प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को जागरूकता और आत्मरक्षा के प्रति प्रेरित किया कार्यक्रम में सामुदायिक पुलिसिंग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया। 'सृजन संवाद' पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को सुरक्षित, सकारात्मक एवं जागरूक वातावरण प्रदान करना है। संवाद के दौरान बच्चों के मूल अधिकारों-शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, पोषण, सामाजिक सुरक्षा, बाल विवाह रोकथाम, नशे से प्रभावित बच्चों के पुनर्वास तथा समुदाय आधारित सुरक्षा उपायों पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने युवाओं को अपराध एवं नशे से दूर रहकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगभग 70 जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों में आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जनसंवाद के दौरान नागरिकों द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन, असामाजिक तत्वों की गतिविधियां, ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित पार्किंग, पुलिस गश्त, सीसीटीवी निगरानी, रात्रि सुरक्षा, नशा कारोबार, अवैध हथियारों की गतिविधियां तथा सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने रखी गईं। इन समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस द्वारा हॉटस्पॉट क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी निगरानी सुदृढ़ करने, रात्रि पेट्रोलिंग तेज करने, महिलाओं से अभद्रता करने वालों पर सख्त कार्रवाई, यातायात व्यवस्था सुधारने तथा बीट एवं माइक्रो बीट प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक की सड़क हादसे में मौत, ड्राइवर मौके से फरार हुआ

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के बदरवास थाना क्षेत्र के दीगोद गांव में रविवार सुबह एक सड़क हादसे में 50 वर्षीय युवक की मौत हो गई युवक मॉर्निंग वॉक पर निकला था तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार दीगोद गांव निवासी परमाल जाटव (50) रोजाना की तरह सुबह टहलने निकले थे इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि परमाल जाटव गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन परमाल जाटव की मौके पर ही मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही बदरवास थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया पुलिस ने अज्ञात वाहन ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है।

छिंदवाड़ा के किशोर की डूबने से मौत परिवार के साथ दादा की अस्थि विसर्जित करने आया था

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के प्रसिद्ध सेठानी घाट के पास स्थित पर्यटन घाट पर सुबह नहाते समय 16 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। युवक अपने दादा की अस्थि विसर्जन के लिए परिवार के साथ छिंदवाड़ा जिले से नर्मदापुरम आया था हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई करीब 5 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोपहर 1:30 बजे किशोर का शव नदी से बाहर निकाला जा सका। जानकारी के अनुसार मृतक सत्येंद्र यादव (16) छिंदवाड़ा जिले की उमरेठ तहसील का निवासी था रविवार सुबह परिवार दादा की अस्थियां विसर्जित करने पर्यटन घाट पहुंचा था अस्थि विसर्जन के बाद सुबह करीब 8:30 बजे सत्येंद्र स्नान करने नदी में उतरा इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया परिजनों की चीख-पुकार के बीच युवक की मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया सूचना मिलते ही होमगार्ड सैनिकों और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची गोताखोरों और जाल की मदद से युवक की तलाश शुरू की गई रेस्क्यू के दौरान परिजन घाट किनारे बैठे बेटे के मिलने का इंतजार करते रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने भी परिवार को ढांढस बंधाया घटना के बाद घाट क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की जानकारी लगते ही नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव और माली सैनी समाज के प्रदेश अध्यक्ष अजय सैनी भी मौके पर पहुंचे। नगरपालिका अध्यक्ष ने घाटों पर चेतावनी बोर्ड लगाने और कंट्रोल रूम से लगातार सावधानी संबंधी उद्घोषणा कराने के निर्देश दिए उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रतिबंधित घाटों पर स्नान न करें और बच्चों पर विशेष निगरानी रखें ताकि इस तरह के हादसों से बचा जा सके।

झोलाछाप डॉक्टर पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई अवैध क्लिनिक से दवा-इंजेक्शन जब्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में अवैध रूप से क्लीनिक संचालित कर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम भौता में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक कथित झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक पर छापा मारा टीम ने मौके से उपयोग की गई दवाइयां और इंजेक्शन जब्त किए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. अविनाश खरे को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि ग्राम भौता में एक व्यक्ति बिना वैध डिग्री और अनुमति के नेत सिंह नामक व्यक्ति मरीजों का इलाज कर रहा है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का बनाया गया।

संचालक के पास नहीं मिली कोई डॉक्टरी डिग्री: टीम ने ग्राम भौता पहुंचकर अचानक निरीक्षण किया। जांच के दौरान क्लिनिक संचालक के पास डॉक्टरी पेशे से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या डिग्री नहीं मिली कार्रवाई के दौरान यह भी सामने आया कि संचालक को पहले ही भनक लग चुकी थी जिसके कारण उसने कई जरूरी दवाइयां और उपकरण हटा दिए थे।

दवाइयों और इंजेक्शनों को जब्त किया गया: इसके बावजूद, टीम ने मौके पर मौजूद अन्य दवाइयों और इंजेक्शनों को पंचनामा तैयार कर जब्त कर लिया।

नरवर में महाराणा प्रताप जयंती पर प्रतिमा स्थापना की मांग तस्वीर पर माल्यार्पण करना पड़ रहा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नरवर नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई यह कार्यक्रम फॉरेस्ट चौकी के पास स्थित महाराणा प्रताप तिराहे पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के छायाचित्र पर तिलक लगाकर माल्यार्पण कार्यक्रम के दौरान जय महाराणा प्रताप के नारे भी लगाए गए। क्षत्रिय महासभा अध्यक्ष संतोष सिंह राजपूत ने इस मौके पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने की मांग उठाई उन्होंने बताया कि प्रतिमा स्थापना के लिए नगर परिषद नरवर को कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं परिषद की ओर से आश्वासन भी मिला है लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्य शुरू नहीं हो सका है। राजपूत ने कहा कि जिस स्थान पर आज महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण होना चाहिए वहां उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण करना पड़ रहा है उन्होंने प्रशासन और नगर परिषद से जल्द से जल्द प्रतिमा स्थापना की मांग पूरी करने की अपील की।

नहर की जमीन से हटाया अतिक्रमण, जेसीबी से तोड़ी पुलिया,किसानों का खेत तक जाने का रास्ता खुलवाया

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। हरदा रोड स्थित फेफरताल के पास नहर विभाग की जमीन पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने हटाया नगर तहसीलदार सरिता मालवीय के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने रहवासी कॉलोनी अग्रवाल इंपीरिया और रामानंद सागर मैरिज गार्डन द्वारा बनाए गए निर्माणाधीन पुलिया और गेट के हिस्सों को जेसीबी से तोड़ दिया। तहसीलदार सरिता मालवीय ने बताया कि कॉलोनाइजर और मैरिज गार्डन संचालक ने नहर विभाग की जमीन पर कब्जा कर पुलिया का निर्माण करा लिया था इससे किसानों के खेतों तक जाने का रास्ता बंद हो गया था और उन्हें आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। किसानों की शिकायत के बाद कलेक्टर के निर्देश पर रविवार को नहर विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची कार्रवाई में नहर विभाग के एसडीओ प्रमोद जाटव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संयुक्त टीम ने जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण हटाया और किसानों के खेत तक आने-जाने का रास्ता खुलवाया अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करीब दो घंटे तक चली।

ऑपरेशन त्रिनेत्रम् के तहत देवास पुलिस को बड़ी सफलता

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास पुलिस द्वारा संचालित 'ऑपरेशन त्रिनेत्रम्' के अंतर्गत तकनीकी निगरानी और सीसीटीवी नेटवर्क की मदद से मोटरसाइकिल एवं पशु चोरी करने वाले एक संगठित कंजर गिरोह का पर्दाफाश किया गया है थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 4 मोटरसाइकिलें, एक कार और 2 बकरे सहित लगभग 15 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिले में अपराध नियंत्रण और अपराधियों की पहचान के लिए 'ऑपरेशन त्रिनेत्रम्' के तहत सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं यही तकनीकी व्यवस्था इस मामले के खुलासे में बेहद प्रभावी साबित हुई। जानकारी के अनुसार 1-2 मई की रात ग्राम गदेशिया पिपलिया एवं संजयनगर क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं इसी दौरान ग्राम हवनखेड़ी से भी मोटरसाइकिल और बकरे चोरी होने की सूचना पुलिस को मिली लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए थाना औद्योगिक क्षेत्र देवास में अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थलों और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले डिजिटल ट्रैकिंग और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि सभी वारदातों को एक ही संगठित गिरोह द्वारा अंजाम दिया गया है। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जांच में टोंककला क्षेत्र के कंजर गिरोह की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने प्रभावी दबिश कार्रवाई की। पुलिस टीम ने 5 आरोपियों और एक विधि विरुद्ध बालक को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 4 मोटरसाइकिलें, एक कार तथा दो बकरों को बरामद किया। जब्त संपत्ति की अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई गई है पुलिस अब आरोपियों से जिले एवं आसपास के क्षेत्रों में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है देवास पुलिस की इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन त्रिनेत्रम्' की बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी नेटवर्क और डिजिटल ट्रैकिंग के माध्यम से अपराधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है, जिससे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिल रही है।

नर्मदापुरम में रात में चली हवा-आंधी,मढ़ई-सोहागपुर में आधे घंटे जोरदार बारिश

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में अचानक मौसम ने करवट ली। तेज आंधी और बिजली चमकने के साथ जिले के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हुई मढ़ई और सोहागपुर क्षेत्र में करीब आधे घंटे तक अच्छी बारिश का दौर चला जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई वहीं नर्मदापुरम शहर और इटारसी में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई हालांकि, रविवार सुबह से मौसम पूरी तरह साफ है और चिलचिलाती धूप के साथ तेज गर्मी पड़ रही है। अगले 4 दिन मौसम रहेगा शुष्क, तापमान में होगी बढ़ोतरी

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया रविवार को आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं लेकिन अभी फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है आगामी चार दिनों तक मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। मौसम के साफ रहने और बारिश न होने के कारण दिन के अधिकतम तापमान में बढ़त दर्ज की जाएगी मौसम विभाग ने रविवार को भी दिन के तापमान में बढ़ोतरी का अनुमान जताया है।

सागर में छाए बादल, हल्की बारिश हुई, हवा-आंधी चलने से वातावरण में घुली ठंडक

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। वेदर सिस्टम सक्रिय होने से सागर जिले में शनिवार को अचानक मौसम ने करवट बदली। सुबह से आसमान साफ रहा और तेज धूप खिली। दोपहर में तल्ख धूप से लोग गर्मी से परेशान रहे। शाम को अचानक मौसम बदला और बादल छा गए। हवा-आंधी का दौर शुरू हुआ। तेज हवाएं चलने के साथ ही बारिश हुई। हल्की बारिश और हवाएं चलने से वातावरण में ठंडक घुली। लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इस दौरान अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम पारा 23 डिग्री पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे में दिन और रात के तापमान में एक डिग्री से अधिक का उछाल आया है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश के बीचोबीच दो ट्रफ लाइन गुजर रही है। ऊपरी हिस्से में साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर चल रहा है। इस बार मई के पहले ही दिन से प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। आम तौर पर शुरुआत में तेज गर्मी का असर रहता है। लेकिन इस बार कहीं तेज आंधी-बारिश तो कहीं ओलावृष्टि वाला मौसम रहा। चक्रवात, ट्रफ और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से ऐसा मौसम रहा। सागर में आने वाले दिनों में पारे में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

राजस्व एवं अंतर्विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में तय राजस्व एवं अंतर्विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया सहित जिले के समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने राजस्व वसूली कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए भू-राजस्व, परिवर्तित भू-स्वराज, उपकर, शाला उपकर, प्रीमियम, भू-भाटक सहित अन्य मदों में वसूली की प्रगति का जायजा लिया तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष बल देते हुए एसडीएम एवं तहसील न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही साइबर तहसील अंतर्गत नामांतरण, तामीली एवं पटवारी रिपोर्ट की प्रगति का परीक्षण कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। बैठक में नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन प्रकरणों के निराकरण, राहत राशि वितरण, फार्मर रजिस्ट्रेशन एवं फसल गिरदावरी कार्यों की तहसीलवार समीक्षा भी की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने वन व्यवस्थापन, वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत निरस्त दावों के पुनः परीक्षण तथा वन राजस्व ग्राम समपरिवर्तन संबंधी कार्यों की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने आयोग, जनशिकायत, सतर्कता, जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए 90 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। सीएम मॉनिट के आवेदन, सिविल सूट प्रकरण, सोलेशियम प्रकरण तथा शासकीय विभागों को भूमि आवंटन संबंधी मामलों की भी समीक्षा बैठक में की गई। बैठक में आरआरसी प्रकरणों की स्थिति पर चर्चा करते हुए लंबित मामलों में प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त नरवाई प्रबंधन को लेकर गत वर्ष की गई कार्यवाहियों की जानकारी ली गई तथा आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जनगणना कार्य, जल आपूर्ति व्यवस्था, त्रुटि सुधार प्रकरणों के निराकरण हेतु ग्रामीण स्तर पर आयोजित शिविरों की स्थिति एवं जल गंगा संवर्धन योजना के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं जनहित से जुड़े मामलों में समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

खरगोन के वेदा पुल की प्लेट 1.5 फीट धंसी, 60 साल पुराने एक्सपायर पुल से रातभर में गुजरे 10 हजार वाहन, कंपन से हादसे का डर

खरगोन मीडिया विदिशा (निप्र)। खरगोन जिले के दोगांवा स्थित 60 साल पुराने वेदा पुल की एक प्लेट करीब डेढ़ फीट नीचे धंस गई है। शुक्रवार रात से ही पुल से गुजरने वाले वाहनों के कारण इसमें लगातार तेज कंपन महसूस किया जा रहा है। इस खतरनाक स्थिति के बावजूद रातभर में 10 हजार से अधिक हल्के, मध्यम और भारी वाहन जान जोखिम में डालकर इस पुल से गुजरे हैं।

एसडीएम ने दिए सुरक्षा उपाय के निर्देश: स्थानीय लोगों ने प्लेट धंसने और हादसे के डर की सूचना कसरावद तहसीलदार व एसडीएम को दी है। एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए लोक निर्माण विभाग (PWD) को तत्काल सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल पुल के कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त हिस्से पर हरा कपड़ा बांधकर एक अस्थायी संकेत लगा दिया है, जो रात के अंधेरे में पर्याप्त नहीं है।

पहले ही एक्सपायर घोषित हो चुका है पुल: प्रशासन इस 60 साल पुराने वेदा पुल को काफी पहले एक्सपायर घोषित कर चुका है। वर्तमान में इसके ठीक बगल में एक नए पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। दिसंबर 2025 में यहां से एक ट्रक के नदी में गिरने के बाद कलेक्टर ने भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई थी, लेकिन इसके बावजूद भारी वाहनों की आवाजाही जारी है।

शासकीय आईटीआई द्वारा सामूहिक प्रचार प्रसार किया गया

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले की समस्त शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आईटीआई) ने सत्र 2026-27 हेतु आज शनिवार को एमपी बोर्ड द्वारा आयोजित पूरक परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा उपरांत छात्र-छात्राओं को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई में प्रवेश हेतु पम्पलेट बांटकर आईटीआई में संचालित व्यवसायों की जानकारी देकर सामूहिक रूप से प्रचार प्रसार किया गया। छात्र छात्राओं को बताया गया कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है।

खंडवा में कार पलटी, एक की मौत, दो युवतियां घायल: अमरावती से उज्जैन जा रहे थे चार दोस्त

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक बजे दर्दनाक हादसा हो गया। कार पलटने से सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में बैठी दो युवतियां घायल है, ड्राइवर को सकुशल है। चारों दोस्त महाराष्ट्र के अमरावती के रहने वाले है। वहां से उज्जैन स्थित महाकाल ज्योर्तिलिंग के दर्शन करने जा रहे थे। रास्ते में हादसा हुआ और एक दोस्त की जान चली गई।

ब्लैकस्पॉट पर हादसा, एयरबैग नहीं खुले: घटना खंडवा-अमरावती स्टेट हाईवे पर ग्राम गुड़ी में अनाज मंडी के पास हुई है। मंडी के पास एक ब्लाइंड टर्न है, यहीं ब्लैकस्पॉट बना हुआ है। जहां पिछले हफ्ते एक डीजे गाड़ी पलटने से दो युवकों की मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, कार एक्सीडेंट की वजह ब्लैक स्पॉट के साथ-साथ तेज रफ्तार और कार ड्राइवर

को झपकी आना है। कार ड्राइवर ने पूछताछ में बताया कि उसे नींद का झोंका आ गया था। इसी बीच कार अनियंत्रित हो गई, वह कंट्रोल करने लगा, तभी सामने जानवर दिखा, उसे बचाने में कार के ब्रेक लगा दिए, जिससे कि कार पलटी खा गई। ड्राइवर साइड में बैठे उसके दोस्त की मौत हो गई। इस दौरान कार के एयर बैग नहीं खुले, वरना दोस्त की जान बच सकती थी।

खून से सन गई सड़क, मच गई चीख-पुकार: घटना रात के एक बजे की थी। कार पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। कार सवार दोनों युवतियां डर गई। साथी गौतम कार के गेट से बाहर सड़क पर गिर पड़ा था। वह खून से इतना लथपथ था कि सड़क भी खून से सन गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही पिपलोद थाने की डायल 112 गाड़ी मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल

कार सवार अमरावती-दिल्ली से, युवतियां मुस्लिम

पिपलोद पुलिस के अनुसार, कार में गौतम पिता राजेश सेवानी (23) निवासी अमरावती, दर्शन पिता योगेश (23) निवासी अमरावती, तनु पिता चांद मियां (26) निवासी अमरावती व नायारा पिता रॉयल अली (24) निवासी दिल्ली सवार थी। कार को दर्शन ड्राइव कर रहा था। हादसे में गौतम सेवानी की मौत हुई है। दोनों युवतियों को हल्की चोंटे आई थी। प्राइमरी इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया है।

मृतक स्पा संचालक, उसे कालसर्प दोष था

कार ड्राइवर दर्शन के मुताबिक, वह टैक्सी चलाता है और गौतम उसका मित्र है। गौतम अमरावती में स्पा सेंटर चलाता है। दोनों युवतियां भी उसी स्पा सेंटर की वर्कर है। गौतम की शादी के लिए बात चल रही थी लेकिन उसे कालसर्प दोष था, जो कि रिश्ते में अड़चन बना हुआ था। इसी दोष के निवारण के लिए उज्जैन महाकाल मंदिर में आज शनिवार को पूजा थी। जिसके लिए उज्जैन जा रहे थे।

लाठी से पीटा, नीचे गिरा तो मुंह पर लात मारी: विरोध में डंडा लेकर पहुंची लड़की

सरकारी जमीन के झगड़े में दो परिवार के बीच मारपीट

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ऊजरा गांव में शासकीय भूमि पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। दो पक्ष के बीच मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक गांव में शासकीय जमीन पर कब्जे को लेकर लंबे समय से तनातनी चल रही थी। इसी विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि विवाद के दौरान यादव पक्ष की महिलाओं ने कुशवाहा परिवार के लोगों के साथ मारपीट कर दी। मौके पर अफरा-

तफरी का माहौल बन गया और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को गढ़ीमलहरा थाने लाया गया। थाना पहुंचने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो करीब दो दिन पुराना बताया जा रहा है। दोनों पक्षों के बीच जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद हुआ था। मामले की जानकारी सामने आने पर पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है ताकि भविष्य में दोबारा विवाद की स्थिति न बने। गांव में इस घटना के बाद तनाव का माहौल बना रहा, हालांकि पुलिस का कहना है कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

रतलाम में पटवारी के खाते से उड़े 2.93 लाख, न कोई कॉल आया, न कोई ओटीपी

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में साइबर ठगों ने एक पटवारी के बैंक खाते से बिना किसी ओटीपी और कॉल के 2.93 लाख रुपए निकाल लिए। शहर के काटजू नगर निवासी पटवारी अशोक योगी के एसबीआई खाते से 27 से 29 अप्रैल के बीच तीन अलग-अलग ट्रांजैक्शन में यह राशि ट्रांसफर की गई है। 30 अप्रैल को जब उन्होंने अपना बैंक बैलेंस चेक किया, तब उन्हें इस पूरी ठगी की जानकारी मिली।

पारिवारिक जरूरत के लिए जमा किए थे जीपीएफ के पैसे: ठगी के शिकार पटवारी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने किसी से न तो ओटीपी साझा किया था और न ही किसी को अपनी बैंक डिटेल दी थी। उन्होंने मार्च महीने में पारिवारिक जरूरतों के लिए जीपीएफ से 5 लाख रुपए निकालकर इस खाते में जमा किए थे। शिकायत मिलने के बाद थाना औद्योगिक पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

लिंक के जरिए मोबाइल हैक करने की आशंका: साइबर एक्सपर्ट के अनुसार, इस तरह की ठगी मोबाइल हैंकिंग या रिमोट एक्सेस के जरिए की जाती है। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने से ठगों को मोबाइल का कंट्रोल मिल जाता है और फिर वे आसानी से रकम उड़ा लेते हैं।

सीहोर में बदला मौसम, रात में तेज बारिश भीषण गर्मी से मिली राहत

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में शनिवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। दिनभर तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप से लोग परेशान रहे, लेकिन रात में हुई बारिश ने मौसम सुहावना बना दिया।

जिले के कई इलाकों में तेज बारिश और ठंडी हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। दिनभर जिले में गर्म हवाएं चलती रहीं और लोग उमस व लू जैसी स्थिति से परेशान रहे। शाम होते-होते आसमान में बादल छा गए और रात में कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने मौसम को ठंडा कर दिया।

बारिश के कारण रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। मौसम सुहावना होने से लोगों ने राहत महसूस की। कई जगहों पर लोग घरों से बाहर निकलकर ठंडी हवा का आनंद लेते नजर आए।

तेज हवाओं से बिजली व्यवस्था प्रभावित: बारिश और तेज हवाओं के चलते जिले के कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। कई स्थानों पर देर रात तक बिजली गुल रहने की जानकारी सामने आई।

मौसम विभाग के अनुसार अगले एक-दो दिनों तक मौसम में बदलाव बना रह सकता है। आसमान में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है, जिससे तापमान में अधिक बढ़ोतरी नहीं होगी।

शनिवार को सीहोर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हवा की गति 7 किलोमीटर प्रति घंटा और आर्द्रता 34 प्रतिशत रही।

खंडवा के बांबे बाजार में अति क्र मण पर चला बुलडोजर रेलवे स्टेशन तक तोड़े गए कच्चे निर्माण

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा प्रशासन ने शनिवार देर शाम नगर निगम से लेकर रेलवे स्टेशन तक अति क्र मण हटाने की बड़ी कार्रवाई की। सिटी मजिस्ट्रेट और निगम उपायुक्त के नेतृत्व में सड़क किनारे लगे ठेलों को हटाया गया और दुकानों के बाहर बने कच्चे छज्जों को जेसीबी से तोड़ दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था और जाम की समस्या को दूर करने के लिए की गई है।

अवैध वसूली के आरोपों के बाद आनन-फानन में एक्शन: दरअसल, दो दिन पहले ही भाजपा नेताओं पर मार्केट में लगने वाले ठेलों से अवैध वसूली करने के आरोप लगे थे। घंटाघर पर मोमोज का ठेला लगाने वाले एक दुकानदार ने इसका खुलकर विरोध किया था। इसके बाद भाजपा के ही एक गुट ने वसूली करने वाले गुट के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

शनिवार को आयोजित भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में भी यह मुद्दा काफी गर्माया रहा। माना जा रहा है कि डैमेज कंट्रोल और बचाव के लिए शहर सरकार ने आनन-फानन में यह प्लान बनाया और अति क्र मण पर बुलडोजर चलवा दिया।

बाजार में ग्राहकी के समय पहुंचा अमला, लोगों ने किया विरोध: प्रशासन और नगर निगम की टीम ने यह कार्रवाई शनिवार शाम उस वक्त की, जब बाजार में ग्राहकी का समय था और पूरा मार्केट खचाखच भरा हुआ था। भारी भीड़ के बीच अति क्र मण हटाकर प्रशासन और सत्ताधारी दल ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वे वसूलीबाजों के खिलाफ हैं। दौरान कई स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध भी किया। हालांकि, प्रशासनिक अमला मौके पर डटा रहा और अति क्र मण हटाने का काम जारी रखा।

जाम में फंस जाती थी एंबुलेंस- अधिकारी: कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर और नगर निगम के उपायुक्त सचिन सिटोले ने बताया कि अति क्र मण और सड़क पर लगने वाले ठेलों के कारण मार्केट की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई थी।

अधिकारियों ने कहा, ÷यह रास्ता रेलवे स्टेशन से नगर निगम, जिला अस्पताल और शहर के मुख्य बाजार को जोड़ने वाली एकमात्र रोड कनेक्टिविटी है। अति क्र मण के कारण यहां आए दिन ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है।

नर्मदापुरम में हाईवे पर पलटा आम से भरा ट्रक, औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे पर थमे पहिए

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में धनबाद तिराहे पर औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे 46 पर एक आम से भरा ट्रक पलट गया। जो सड़क पर ही आड़ा गिर गया। जिससे हाईवे पर वाहनों के पहिए थम गए। देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतार लग गई।

सूचना मिलते ही केसला थाना प्रभारी मदन लाल पवार स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। क्रेन मशीन बुलाकर करीब ढ़ाई घंटे की मशक्कत के बाद ट्रक को हटाया जा सका। जिसके बाद 9.30 बजे जाम खुलवाकर वाहनों को निकलना शुरू कराया।

ढाई घंटे पूरी तरह जाम लगे

रहने से दोनों तरफ तीन किमी तक वाहनों की लम्बी कतार लग गई। वाहनों की लम्बी कतार होने से दोपहर 1 बजे तक भी हाईवे पर यातायात सुचारू नहीं हो पाया। कुछ वाहन चालक जल्दबाजी कर बीच में गाड़ी फंसा रहे।

जिससे यातायात बाधित हो रहा है। केसला थाना प्रभारी पवार ने बताया ट्रक में आम की पेटियां रखी थी। जिसे हैदराबाद से भोपाल ले जाया जा रहा था। रास्ते में अचानक से ट्रक पलट गया। जिससे आम की पेटियां सड़क पर बिखर गई।

पुलिसकर्मी भीषण गर्मी में खड़े रहकर खुलवा रहे जाम: हाईवे पर सुबह से जाम की स्थिति बनी है। इस जाम को खुलवाने और यातायात को सुचारू करने के लिए केसला थाना प्रभारी मदन लाल पवार खुद स्टाफ के साथ में खड़े रहकर वाहनों को निकलवा रहे है।

ईंट भट्टों का अवैध बेल्ट:मिट्टी माफियाओं ने छलनी कर दी रीछन नदी

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर के पास बहने वाली बेतवा की सहायक रीछन नदी का अवैध उत्खनन के चलते अस्तित्व खतरे में है। नदी के किनारों से सटकर काली मिट्टी की जमकर खुदाई की जा रही है। सागर रोड स्थित टोल नाके से करीब 500 से 600 मीटर अंदर नदी किनारे से सटकर अवैध खुदाई से नदी के समानांतर गहरी खाई बन चुकी है। आशंका है कि इस बार तेज बारिश में नदी का बहाव इसी खाई में समा जाएगा। स्थानीय लोगों के मुताबिक यहां कई दिनों से रात-रात भर अवैध उत्खनन चल रहा है। रोजाना 20 से 30 डंपर मिट्टी निकाली जा रही है। अब तक सैकड़ों डंपर मिट्टी खोदी जा चुकी है। उत्खनन का यह खेल सिर्फ मिट्टी चोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके सहारे ईंट भट्टों का पूरा अवैध नेटवर्क खड़ा हो गया है। नदी किनारे बड़ी संख्या में ईंट भट्टे संचालित हो रहे हैं, जहां खोदी गई मिट्टी के बड़े-बड़े ढेर लगे हैं।

बीपीएल-कथित भ्रष्टाचार पर बड़ा एक्शन, खिलाड़ियों अधिकारियों समेत फ्रेंचाइजी मालिकों पर आरोप

ढाका,एजेंसी । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल टी20) के 12वें सीजन के दौरान कथित भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने या अवैध गतिविधियों की जांच में बाधा डालने के आरोप में टीम के अधिकारियों, फ्रेंचाइजी मालिकों और कुछ खिलाड़ियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इन सभी पर आईसीसी एंटी-करप्शन कोड फॉर पार्टिसिपेंट्स के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप है। ये आरोप बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड इंटीग्रिटी यूनिट (बीसीबीआईयू) की तरफ से हुई जांच के आधार पर लगाए गए हैं। ये जांच कथित भ्रष्टाचार, सट्टेबाजी की गतिविधियों, भ्रष्टाचार-रोधी जांच में सहयोग न करने और बीपीएल टी20 के 12वें सीजन से जुड़ी जांचों में रुकावट डालने के मामलों से संबंधित हैं। जांच में कथित सट्टेबाजी से जुड़ी गतिविधियां, भ्रष्टाचार के लिए संपर्क करना, कोड के अनुच्छेद 4.3 के तहत जारी डिमांड नोटिस का पालन न करना, जरूरी बातचीत को छिपाना या मिटाना, और डेजिग्नेटेड एंटी-करप्शन ऑफिशियल (डीएसीओ) के साथ सहयोग न करना शामिल है। आरोपियों में मोहम्मद लबलुर रहमान (टीम मैनेजर), मो. तौहिदुल हक तौहिद (फ्रेंचाइजी के सह-मालिक), अमित मजूमदार (घरेलू क्रिक केटर) और रिजवान कबीर सिद्दीकी (टीम मैनेजर) शामिल हैं।

फ्रेंचाइजी के सह-मालिक, मो. तौहिदुल हक तौहिद ने आर्टिकल 2.4.6 का उल्लंघन किया है, क्योंकि उन्होंने बिना किसी ठोस वजह के, कोड के तहत संभावित भ्रष्ट

आचरण से जुड़ी डीएसीओ की जांच में सहयोग करने से मना कर दिया या सहयोग नहीं किया। इसमें कोड के आर्टिकल 4.3 के तहत जारी डिमांड नोटिस का पालन न करना भी शामिल है। तौहिदुल को आर्टिकल 2.4.7 का उल्लंघन करते हुए भी पाया गया है। यह आर्टिकल कोड के तहत संभावित भ्रष्ट आचरण से जुड़ी डीएसीओ की जांच में रुकावट डालने या देरी करने से संबंधित है। इसमें प्रासंगिक बातचीत और जानकारी को छिपाना, मिटाना या नष्ट करना भी शामिल है।

घरेलू क्रिक केटर अमित मजूमदार पर आर्टिकल 2.2.1 का उल्लंघन करने का आरोप है। उन पर क्रिक केट मैचों के परिणाम, प्रगति, संचालन या किसी अन्य पहलू से संबंधित सट्टेबाजी करने, स्वीकार करने, लगाने या किसी अन्य तरीके से सट्टेबाजी में शामिल होने का आरोप है।

मो. लबलुर रहमान पर अनुच्छेद 2.4.6 के तहत आरोप लगाया गया है। यह अनुच्छेद बिना किसी ठोस कारण के, कोड के तहत संभावित भ्रष्टाचार के मामले में डीएसीओ की तरफ से की जा रही जांच में सहयोग न करने या मना करने से संबंधित है। इसमें कोड के अनुच्छेद 4.3 के तहत जारी डिमांड नोटिस का पालन न करना भी शामिल है। उन पर अनुच्छेद 2.4.7 का उल्लंघन करने का भी आरोप है। यह अनुच्छेद कोड के तहत संभावित भ्रष्टाचार के मामले में डीएसीओ की जांच में रुकावट डालने या देरी करने से संबंधित है। इसमें जरूरी बातचीत और जानकारी को छिपाना, मिटाना या नष्ट करना भी शामिल है।

एक अन्य टीम मैनेजर, रेजवान कबीर सिद्दीकी पर भी आर्टिकल 2.2.1 के तहत आरोप लगे हैं। उन पर भी क्रिक केट मुकाबलों के परिणाम, प्रगति, संचालन या किसी अन्य पहलू से संबंधित सट्टेबाजी करने, स्वीकार करने, लगाने या किसी अन्य तरीके से सट्टेबाजी में शामिल होने का आरोप है। इन सभी आरोपियों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। उन्हें आरोप नोटिस मिलने के 14 दिनों के भीतर इन आरोपों का जवाब देना होगा।

मार्श ने लगाया आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक, नाम दर्ज हुआ बड़ा रिकॉर्ड

लखनऊ,एजेंसी । आईपीएल 2026 के 50वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की भिड़ंत गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ हो रही है। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिक केट स्टेडियम में एलएसजी के बल्लेबाज मिचेल मार्श ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 20 गेंदों में अर्धशतक लगाया। मार्श का यह आईपीएल में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक भी है। इसके साथ ही उन्होंने इकाना स्टेडियम में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। इकाना के मैदान पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम है, जिन्होंने इस मैदान पर सिर्फ 18 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए थे। मार्श आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। एलएसजी की ओर से सबसे तेज अर्धशतक निकोलस पूरन ने लगाया है। उन्होंने साल 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था। इस मुकाबले के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने प्लेइंग इलेवन में तीन बड़े बदलाव किए हैं। जोश इंग्लिस, मोहसिन खान और आवेश खान चोटिल होने की वजह से यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं। इंग्लिस की जगह पर अर्शिन कुलकर्णी खेल रहे हैं, जबकि मोहसिन के स्थान पर शाहबाज अहमद को मौका दिया गया है। आवेश की जगह दिग्वेश राठी आरसीबी के खिलाफ इस मुकाबले में मैदान पर उतरे हैं। हालांकि, पिछले मैच में मिली हार के बावजूद आरसीबी ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है।

आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को कायम रखने के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स को इस मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। एलएसजी अब तक खेले 9 मुकाबलों में से सिर्फ 2 में ही जीत दर्ज कर सकी है। वहीं, 7 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। एलएसजी के बल्लेबाजों ने इस सीजन अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया है।

विराट कोहली को शून्य पर आउट करने वाले प्रिंस यादव को किसकी सलाह मिली थी?

लखनऊ ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में किसी युवा तेज गेंदबाज ने सबसे ज्यादा अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है, तो वो लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव हैं। गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ भी बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए प्रिंस ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। प्रिंस ने विराट कोहली को बोल्ड किया जो चर्चा का विषय बना हुआ है। आरसीबी को जीत के लिए 213 रन का लक्ष्य मिला था। इसके लिए जरूरी था कि विराट कोहली एक छोर संभाल कर रखें, विराट इसके लिए जाने भी जाते हैं, लेकिन प्रिंस यादव ने ऐसा नहीं होने दिया। प्रिंस एलएसजी की तरफ से पारी की दूसरा ओवर लेकर आए। विराट भी दूसरे ओवर में ही स्ट्राइक पर आए थे। ओवर की पहली गेंद पर रन नहीं बना। दूसरी गेंद पर प्रिंस ने विराट को बोल्ड कर दिया। विराट उस गेंद के मूवमेंट से हैरान थे जो उनके बल्ले को पीछे छोड़ते हुए उनकी विकेट उड़ा ले गई थी। कोहली 2017 के बाद पहली बार आईपीएल में शून्य पर आउट हुए। विराट का विकेट लेकर प्रिंस काफी खुश नजर आए। मैच के बाद प्रिंस यादव से जब उनकी गेंदबाजी और विराट की विकेट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, पिछले मैच के बाद, मैं विराट भैया से बात कर रहा था।

लोकप्रियता या पैसे की बात नहीं, हर खेल की छोटी-बड़ी सफलता का जश्न मनाया जाना चाहिए: सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी

नई दिल्ली ,एजेंसी । भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने उन लोगों को जवाब दिया है जिन्होंने थॉमस कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के लिए सार्वजनिक रूप से स्वागत में कमी पर दिए उनके बयान का गलत मतलब निकाला था। 2022 में चैंपियन रही भारतीय टीम ने 2026 थॉमस कप में कांस्य पदक जीता, लेकिन घर वापसी के बाद इस उपलब्धि का जश्न नहीं मनाया गया। सात्विक ने थॉमस कप में हिस्सा लेने के लिए हॉर्सेस गई टीम और घर लौटने की दो तस्वीरें शेयर की थीं, साथ में कैप्शन लिखा था, यह कैसे शुरू हुआ, यह कैसे चल रहा है। ऐसा देखा गया कि टीम के लिए कोई बड़ी विदाई या स्वागत नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर उनके इस टिप्पणी को निजी उपलब्धि के लिए माना गया।

इस पर रंकीरेड्डी ने कहा, पिछले कुछ दिनों में हमारे थॉमस कप कांस्य पदक के लिए रिसेप्शन न होने के बारे में मेरे हाल के कमेंट्स पर बहुत ध्यान गया है। हालांकि मैं इतने ज्यादा समर्थन और हिम्मत के लिए शुक्र गुजार हूं। मैं अपना इरादा साफ करना चाहता हूं क्योंकि मैं देख रहा हूं कि बहुत से लोग असली बात से भटक रहे हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे शब्द निजी शोहरत पाने या किसी और की कामयाबी का श्रेय लेने के लिए नहीं था। मैं हर उस एथलीट की बहुत इज्जत करता हूं जो भारत का नाम रोशन करता है, चाहे वह किसी भी खेल का हो।

रंकीरेड्डी ने लिखा, मेरा संदेश बिल्कुल साधारण था। हमें एक ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जो हर जीत को बढ़ावा दे और उसका जश्न मनाए, चाहे वह बड़ी हो या छोटी, चाहे वह विश्व कप पदक हो या थॉमस कप जैसी वैश्विक चैंपियनशिप में पोडियम पर आना। ऐसे पल वर्षों की कुर्बानी और कड़ी मेहनत के बाद आते हैं। जब ऐसी उपलब्धियों पर चुप्पी न सिर्फ हमारे लिए, बल्कि भारतीय एथलीटों की आने वाली पीढ़ियों के लिए भी निराशाजनक है।

उन्होंने लिखा, हमें पैसा या बड़ी परेड नहीं चाहिए। हम बस यह जानना चाहते हैं कि हमारा देश देख रहा है और हमारी कोशिशों को देखा जा रहा है।

कुलदीप मैच विनर खिलाड़ी हैं, वह जल्द वापसी करेंगे: डेविड मिलर

नई दिल्ली,एजेंसी । दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर ने आलोचनाओं का सामना कर रहे स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव का बचाव किया है। मिलर का कहना है कि कुलदीप एक मैच विनर खिलाड़ी हैं और टीम के लिए उनकी लगातार मौजूदगी बेहद जरूरी है। डेविड मिलर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए कहा कि कुलदीप की क्षमता पर कोई शक नहीं है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं और एक-दो खराब मुकाबलों के आधार पर किसी खिलाड़ी को आंकना सही नहीं है। कुलदीप का फॉर्म इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। बाएं हाथ के स्पिनर ने 10.4 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हैं और वह सिर्फ 7 विकेट ही निकाल सके हैं। 5 मुकाबलों में कुलदीप एक भी विकेट नहीं चटका सके हैं। इसके बावजूद डेविड मिलर ने भरोसा जताया कि कुलदीप जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि कुलदीप हमेशा अच्छी तैयारी करते हैं और हर मैच में अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश करते हैं। मिलर के मुताबिक, ऐसे खिलाड़ी किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते हैं। मिलर ने यह भी कहा कि वह खुद पहले कुलदीप के खिलाफ खेल चुके हैं और जानते हैं कि उन्हें खेलना कितना मुश्किल होता है। इसलिए वह मानते हैं कि जब ऐसा गेंदबाज फॉर्म में होता है, तो वह किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। उन्होंने टीम के माहौल पर भी बात की और कहा कि हर खिलाड़ी को अच्छे और बुरे दोनों समय को स्वीकार करना

चाहिए। किसी भी खिलाड़ी से हर मैच में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद नहीं की जा सकती।

मिलर ने माना कि इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की फील्डिंग उम्मीद से कमजोर रही है और कई आसान मौके टीम ने गंवाए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि टीम इस पर कड़ी मेहनत कर रही है और आगे बेहतर प्रदर्शन करेगी। मिलर ने बताया कि फील्डिंग सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि एटीट्यूड भी है। अगर खिलाड़ी मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ उतरें, तो नतीजे अपने आप बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब टीम के सामने बाकी बचे मुकाबले बहुत अहम हैं और उन्हें हर मैच में पूरी तैयारी के साथ उतरना होगा। मिलर ने टी20 क्रिक केट के बदलते अंदाज पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज के युवा खिलाड़ी बहुत निडर होकर खेल रहे हैं और तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि हर खिलाड़ी को अपनी ताकत को पहचानकर उसी के हिसाब से खेलना चाहिए।

एलएसजी के लिए पहले बल्लेबाजी करना रहा है फायदेमंद, आरसीबी ने कर दी थी बड़ी गलती

लखनऊ ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच इकाना स्टेडियम में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। एलएसजी ने लगातार 6 हार का क्रम तोड़ा और आरसीबी के बारिश से प्रभावित मैच में 9 रन से हराया। आरसीबी के लिए पहले बल्लेबाजी हमेशा से फायदेमंद रही है, और इस मैच में भी परिणाम टीम के पक्ष में रहा। आईपीएल में अक्सर टीमें टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला लेती हैं। टी20 फॉर्मेट में टीमों को चेज करना ज्यादा पसंद होता है। मैच का परिणाम भी अधिकतर बाद में

बल्लेबाजी करने वाली टीमों के पक्ष में आता है। एलएसजी के मामले में आंकड़े विपरीत हैं। एलएसजी का रिकॉर्ड पहले बल्लेबाजी करते हुए बाद में बल्लेबाजी करने की तुलना में बेहतर है। एलएसजी के लिए 2022 पहला सीजन था। उस समय से अब तक एलएसजी ने कुल 68 मैच खेले हैं। इसमें 38 मैचों में एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी की है जिसमें 21 में जीत और 16 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच का परिणाम नहीं निकला। जीत का प्रतिशत 56.75 है। वहीं , 30 मैचों में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए एलएसजी को 12 मैचों में जीत और 18 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जीत का प्रतिशत 40.0 है। ऐसे में एलएसजी के लिए पहले बल्लेबाजी करना हमेशा से लाभकारी रहा है।

बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजियों और खिलाड़ियों के लिए जारी किए निर्देश, उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली ,एजेंसी । भारतीय क्रिक केट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के दौरान अनुशासन और सुरक्षा से जुड़े मामलों को लेकर बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने गुरुवार को सभी 10 फ्रेंचाइजियों के लिए आठ पन्नों की विस्तृत एडवाइजरी जारी की, जिसमें खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ, टीम अधिकारियों और फ्रेंचाइजी मालिकों के लिए सख्त प्रोटोकॉल तय किए गए हैं। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सभी टीमों को भेजे गए पत्र में साफ कहा कि मौजूदा सीजन में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ। बोर्ड ने इसे टूर्नामेंट की साख और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। सैकिया ने पत्र में लिखा कि आईपीएल से जुड़े सभी हितधारकों से पेशेवर व्यवहार, अनुशासन और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि यदि इन घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो इससे बीसीसीआई, फ्रेंचाइजियों और टूर्नामेंट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है। बीसीसीआई की एंटी करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट (एसीएसयू) ने भी कुछ घटनाओं की रिपोर्ट बोर्ड को सौंपी थी। इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर यह नई एडवाइजरी जारी की गई है। नई गाइडलाइन के तहत खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के होटल कमरों में बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

इटैलियन ओपन-लियोलिया को शिकस्त देकर पाओलिनी ने बनाई तीसरे राउंड में जगह

रोम ,एजेंसी । मौजूदा चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी ने गुरुवार को इटैलियन ओपन के अपने पहले मुकाबले में कड़ी चुनौती का सामना करते हुए क्वालीफायर लियोलिया जीनजीन को 6-7(4), 6-2, 6-4 से मात देकर तीसरे दौर में जगह बना ली है। यह रोमांचक मुकाबला 2 घंटे 55 मिनट तक चला। 9वीं वरीयता प्राप्त इटली की स्टार खिलाड़ी ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने निराशाजनक प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के दौरान 54 विनर्स लगाए, लेकिन साथ ही 57 अनफोर्स्ड एरर्स भी किए। पूरे मुकाबले में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिससे दर्शक कभी उनके खेल से उत्साहित नजर आए तो कभी निराश, क्योंकि वे अपनी शीर्ष रैंकिंग वाली घरेलू खिलाड़ी को तीसरे दौर में पहुंचते देखने की उम्मीद लगाए बैठे थे। पाओलिनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं थोड़ी घबराई हुई थी।

बहुत सारे उतार-चढ़ाव आए। उन्होंने बहुत बढ़िया मैच खेला। यह एक कठिन मुकाबला था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं डटी रही और पहले कठिन सेट के बाद वापसी करने में सफल रही। पाओलिनी ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बनाने की कई बार कोशिश करते हुए पहले सेट में जीनजीन की सर्विस तीन बार तोड़ी और 5-3 के स्कोर पर सेट जीतने के लिए खुद भी सर्विस की। हालांकि, फ्रांसीसी क्वालीफायर ने हर बार तुरंत पलटवार किया और मौजूदा चैंपियन को अपनी लय बनाने का कोई मौका नहीं दिया।

पाओलिनी ने अपने तीखे बैकहैंड विनर्स और नेट पर बेहतरीन टच का इस्तेमाल किया, लेकिन साथ ही कुछ गलतियां भी कीं। टाईब्रेक में अपनी लय बरकरार न रख पाना उनके लिए भारी पड़ा, जब जीनजीन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए वह सेट अपने नाम कर लिया।

उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन के बावजूद, पाओलिनी का जुझारूपन अंततः निर्णायक साबित हुआ। मैच में कई लंबे और मल्टी-ड्यूस मुकाबले देखने को मिले, जिनमें इटैलियन खिलाड़ी ने सभी अहम मौकों पर बाजी मारी। दूसरे सेट में बढ़त बनाने के बाद, उन्होंने निर्णायक सेट में 4-3 के स्कोर पर एक अहम सफलता हासिल की। ??यह सफलता जीनजीन की सर्विस पर खेले गए एक थका देने वाले सेवन-ड्यूस गेम के बाद मिली। तीसरे राउंड में पाओलिनी का मुकाबला 21वीं सीड वाली एलीज मर्टेंस से होगा।

नेशनल लोक अदालत में कवर्धा में 31 हजार से अधिक प्रकरणों का हुआ निराकरण, बिछड़े परिवारों में लौटी खुशियां

कबीरधाम जिले में 10.77 करोड़ रुपये से अधिक राशि के मामलों का हुआ समाधान, वैवाहिक विवादों में समझौते से परिवारों का हुआ पुनर्मिलन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य में आज 9 मई को तालुका न्यायालय के स्तर से लेकर उच्च न्यायालय तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायमूर्ति महोदय क्र रमेश सिन्हा, के द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। जिसके पश्चात जिला कबीरधाम में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कु0 संघरत्ना भतपहरी के द्वारा उक्त नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया ।

नेशनल लोक अदालत को यादगार बनाने सेल्फी प्वाइंट तथा स्वास्थ्य शिविर की भव्यता नेशनल लोक अदालत में देखते ही बन रही थी। जिला न्यायालय के प्रवेश द्वार पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था, जिसमे पक्षकार अपनी मनमोहक फोटो तस्वीरों के माध्यम से जीवंत रख रहे थे। इस दौरान न्यायालय परिसर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में आये हुए पक्षकारों द्वारा स्वास्थ्य लाभ भी लिया जा रहा था।

उक्त लोक अदालत में जिले में कुल 11 खण्डपीठ गठित किया गया था, जिसमें से 10 खण्डपीठ जिला मुख्यालय कबीरधाम तथा 01 खण्डपीठ व्यवहार न्यायालय पण्डरिया में गठित की गई थी। जिसमें राजीनामा योग्य समस्त दाण्डिक मामले, चेक बाउन्स के प्रकरण, समस्त प्रकार के व्यवहार वाद प्रकरण, मोटर दुर्घटना से उत्पन्न दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय में लंबित वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण, इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व वाद प्रकरण) यथा बिजली बिल, दूरभाष, बैंक लोन, जल कर से संबंधित प्रकरण रखे गये थे।

उल्लेखनीय है कि, नेशनल लोक अदालत के खण्डपीठ क्रमांक 01 में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कबीरधाम कु0 संघरत्ना भतपहरी द्वारा मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में कुल 28,60,000/- रूपये का अवार्ड राशि पारित किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 02 में परिवार न्यायालय कबीरधाम में पीठासीन अधिकारी क्र प्रवीण कुमार प्रधान, द्वारा परिवार न्यायालय में वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण में कुल 25 प्रकरण का निराकरण करते हुए वैवाहिक संबंधों में मधुरता स्थापित करते हुए सुखद दाम्पत्य का पुर्नस्थापन किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 03 में पीठासीन अधिकारी क्र ी योगिता विनय वासनिक द्वारा विद्युत प्रकरण में कुल 2,78,997/- रूपये राशि का वसूली करते हुए प्रकरण का निराकरण किया गया।

सुशासन की रफ़्तार 12 किमी का मुश्किल सफर अब अनिल के लिए हुआ आसान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। हौसले बुलंद हों और शासन का साथ मिल जाए, तो कोई भी बाधा सपनों को नहीं रोक सकती। बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम नागपुरा के रहने वाले अनिल कुमार की कहानी आज इसी बदलाव की गवाही दे रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से मिली एक मोटरराइज्ड ट्राइसिकल ने न केवल अनिल के रास्ते की दूरी कम की है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को नई ऊँचाई दी है।

चुनौतियों से भरा था शिक्षा का पथ: अनिल कुमार 12वीं कक्षा के छात्र हैं और 70 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद उनके मन में पढ़ने की तीव्र इच्छा है। लेकिन उनके घर से स्कूल की दूरी 12 किलोमीटर है। रोज़ लंबी दूरी तय करना, ऊबड़-खाबड़ रास्ते और स्कूल पहुँचने के

लिए दूसरों पर निर्भरता अनिल की पढ़ाई में बड़ी बाधा थी। अनिल के परिवार वाले भी उनकी सुरक्षा और पहुँच को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे।

समाधान शिविर में मिली त्वरित राहत: बानाबेल में आयोजित श्सुशासन तिहारश् समाधान शिविर अनिल के जीवन में टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। अनिल ने अपनी समस्या अधिकारियों के सामने रखी। शासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मौके पर ही आवेदन का निराकरण किया और अनिल को मोटरराइज्ड ट्राइसिकल प्रदान की।

● **आत्मनिर्भरता की नई मुस्कान :** ट्राइसिकल की चाबी मिलते ही अनिल के चेहरे पर जो चमक दिखी, वह आत्मनिर्भर होने के गर्व की थी। अब अनिल बिना किसी मानवीय सहारे के स्वयं वाहन चलाकर समय पर स्कूल पहुँच सकेंगे। पहले स्कूल पहुँचना ही सबसे बड़ी चुनौती थी, जिससे पढ़ाई प्रभावित होती थी। अब मेरी मुश्किलें आसान हो गई हैं। अनिल कुमार ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री क्र विष्णु देव साय का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मेरे सपनों को नई रफ़्तार दी है।

'भीषण गर्मी में संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को मिला स्वच्छ पेयजल'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने सुशासन तिहार में पेयजल समस्या और नए नलकूप खनन की मांग पर तत्काल कार्यवाही करते हुए ग्राम मोहतरा में ट्यूबवेल खनन कराकर पेयजल की समस्या दूर की। मुंगेली जिले के मोहतरा के ग्रामीण भीषण गर्मी और लगातार गिरते भू-जल स्तर के बीच लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहे थे। हैंडपंपों के सूख जाने से लोगों को दूर-दराज और दुर्गम स्थानों से पानी लाना पड़ता था।

सुरेठा ग्राम पंचायत के आश्रित गांव मोहतरा में सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में पेयजल समस्या को लेकर आवेदन मिलने पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने तत्काल गांव का सर्वे कराया। सर्वे में पता चला कि भीषण गर्मी के कारण करीब 100 ग्रामीण गंभीर पेयजल संकट से प्रभावित हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने त्वरित कार्यवाही कर गांव में नया ट्यूबवेल स्थापित किया।

अब कोई भी गाँव पहुँचविहीन नहीं रहेगा-राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

पड़कीडीह में बंजारी नाला पर बनेगा 5.20 करोड़ रुपए का विशाल पुल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने शनिवार को जिला बलौदाबाजार-भटापारा जिला के तहसील सुहेला के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़कीडीह में विकास की नई इबारत लिखी। मंत्री वर्मा ने कुल 5 करोड़ 39 लाख रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें क्षेत्र की वर्षों पुरानी माँग को पूरा करते हुए बंजारी नाला पर बनने वाले वृहद पुल का आधारशिला रखना प्रमुख रहा। उन्होंने कहा कि गाँव-गांव में सड़कों और पुलों का जाल बिछ रहा है। मंत्री क्र वर्मा ने बंजारी नाला पुल का भूमिपूजन कर कहा कि पड़कीडीह से टेकरी मार्ग पर 5.20 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह पुल क्षेत्र की कनेक्टिविटी के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। इसी तरह ग्रामीणों के सामाजिक आयोजनों के लिए 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुचारू बनाने हेतु 9.85 लाख रुपए की लागत से तैयार नए पीडीएस भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री क्र वर्मा ने कहा कि गाँवों में सड़कों और पुलों का जाल बिछ रहा है। मुख्यमंत्री क्र विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अंत्योदय के संकल्प के साथ काम कर रही है। हमारी सरकार शहर से लेकर गाँव तक बुनियादी ढाँचे को मजबूत कर रही है। हालिया बजट सत्र में हमने पुल-पुलियों और सड़कों के लिए रिकॉर्ड राशि का प्रावधान किया है ताकि कोई भी गाँव विकास की मुख्यधारा से कटा न रहे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे बताते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया जा रहा है। समूहों की गतिविधियों और आपसी चर्चा के लिए महतारी सदन विशेष भवनों का निर्माण किया जा रहा है। मंत्री क्र वर्मा ने कहा कि कृषि एवं वनोपज के उचित मूल्य सरकार द्वारा दिया जा रहा है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर 5500 रुपए प्रति मानक बोरा किया गया है। इसी तरह दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के जरिए अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष क्र दौलत पाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

सुशासन तिहार में रमोद की पूरी हुई पक्के घर की आस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर आम जनता की समस्याओं के समाधान एवं योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बना है। वर्षों से एक सुरक्षित एवं पक्के घर का सपना देख रहे बलरामपुर जिले के ग्राम टांगरमहरी निवासी रमोद के लिए वह पल यादगार बन गया जब सरनाडीह में आयोजित समाधान शिविर में सरगुजा सांसद क्र चिंतामणि महाराज ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रमाण पत्र पाकर रमोद और उनके परिवार के चेहरे पर खुशी थी। रमोद ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्वयं का पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभ मिला। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा आवास स्वीकृत होने से परिवार को सुरक्षित और बेहतर जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

वनांचल के सपनों को मिली नई उड़ान:

तेंदूपत्ता संग्राहक के बेटे अजय गुप्ता बने भारतीय वन सेवा के अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के जंगलों से निकली एक प्रतिभा ने आज देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपनी जगह बनाकर प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है। रायगढ जिले के सम्बलपुरी ग्राम के एक साधारण तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के सुपुत्र अजय गुप्ता ने अपने अटूट संकल्प से भारतीय वन सेवा (IFS) में चयनित होकर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की नहीं, बल्कि कड़े संघर्ष और सही मार्गदर्शन की मोहताज होती है।

रायगढ़ के संबलपुरी गांव में तेंदूपत्ता और महुआ बीनने वाला अजय गुप्ता अब ढ्ढस्र अधिकारी बन गया है। कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई करते हुए अजय ने पूरे देश में 91वीं रैंक हासिल की। अब वही जंगल, जो कभी परिवार की रोजी-रोटी था, उसकी जिम्मेदारी बनने जा रहा है। अजय गुप्ता ने 12वीं कक्षा में भी शानदार प्रदर्शन किया और इसके बाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में प्रवेश मिला। एनआईटी में पढ़ाई के दौरान भी उन्हें तीन वर्षों तक छात्रवृत्ति मिलती रही। अजय कहते हैं कि पहले सपने बहुत बड़े नहीं थे। लगता था कि हमारी दुनिया बस गांव तक सीमित है, लेकिन एनआईटी में एडमिशन लेने के बाद नजरिया बदल गया। पहली बार लगा कि मैं भी कुछ बड़ा कर सकता हूं। अजय कहते हैं कि जंगल उनके बचपन से ही जिंदगी का हिस्सा रहा है। जंगल ने उन्हें सिर्फ रोजगार नहीं दिया, बल्कि जीवन की दिशा भी दी। वह कहते हैं बचपन से मेरा जुड़ाव जंगल से रहा है। जंगल ने मुझे बहुत कुछ दिया है, बस्तर में काम करने के दौरान भी जंगल से रिश्ता और मजबूत हुआ।

संघर्ष की जमीन से सफलता के आसमान तक: अजय का बचपन जंगलों के बीच वनोपज संग्रहण और खेती-किसानी करते हुए बीता। संघर्ष के दिनों को याद करते हुए अजय बताते हैं। माता-पिता अधिक शिक्षित नहीं थे, लेकिन उन्होंने बच्चों की शिक्षा को ही अपना लक्ष्य माना। छुट्टियों के दौरान अजय स्वयं जंगलों में जाकर तेंदूपत्ता और महुआ इकट्ठा करने में माता-पिता की मदद करते थे। अभावों के बीच भी उन्होंने 10वीं में 92.66 प्रतिशत और 12वीं में 91.40 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी योग्यता का परिचय दिया था।

सरकारी योजनाओं ने पंखों को दी मजबूती: अजय की इस लंबी उड़ान में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने %कैशलेस सपोर्ट% और आर्थिक संबल प्रदान किया। लघु वनोपज संघ की छात्रवृत्ति ने स्कूल से कॉलेज तक की पढ़ाई के दौरान इस छात्रवृत्ति ने आर्थिक बोझ को कम किया। राज्य शासन की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना से उन्हें निरंतर वित्तीय सहायता मिली, जिससे वे अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर सके। मुख्यमंत्री क्र विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के अजय गुप्ता को भारतीय वन सेवा (IFS) में चयनित होने पर बधाई देते हुए कहा कि अजय ने न केवल अपने माता-पिता का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

धमतरी का भटगांव बनेगा इनोवेशन हब

छत्तीसगढ़ के पहले अत्याधुनिक बकरी ब्रीडिंग एवं रिसर्च सेंटर की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से धमतरी जिले का भटगांव एक ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बनने जा रहा है। कलेक्टर की विशेष पहल पर यहाँ राज्य का पहला ÷रिसर्च कम इंटीग्रेटेड प्रोडक्शन एडवांसमेंट ब्रीडिंग सेंटर÷ स्थापित किया जा रहा है। यह केंद्र न केवल पशुपालन के पारंपरिक स्वरूप को बदलेगा, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्यमिता का एक ग्लोबल मॉडल पेश करेगा।

वैज्ञानिक पशुपालन- परंपरा और तकनीक का संगम: यह केंद्र पारंपरिक बकरी पालन की सीमाओं को तोड़कर इसे आधुनिक और लाभप्रद व्यवसाय में बदलेगा। केंद्र में कृत्रिम गर्भाधान, पैथोलॉजी जांच और त्वरित रोग निदान के लिए हाई-टेक प्रयोगशाला होगी। रिसर्च यूनिट के माध्यम से बकरी की उन्नत नस्लों का संरक्षण और प्रजनन किया जाएगा, जिससे पशुपालकों को बेहतर गुणवत्ता के पशु मिल सकें। पशुओं के लिए टिकाऊ आहार और विभिन्न प्रकार के हरे चारे के उत्पादन की वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

कौशल विकास- पशु सखियों और युवाओं को मिलेगा नया मंच: कलेक्टर धमतरी के विजन के अनुसार, यह केंद्र केवल एक ब्रीडिंग सेंटर नहीं बल्कि एक लर्निंग सेंटर भी होगा। युवाओं और किसानों के लिए हॉस्टल की सुविधा के साथ ऑनलाइन व ऑफलाइन प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी। प्रथम चरण में ही 10-12 स्थानीय युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ा जाएगा। पशु सखियों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर उद्यमी बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भविष्य का रोडमैप- माणिकस्तु के साथ ग्लोबल विजन: परियोजना की सफलता के लिए ओडिशा की प्रतिष्ठित फर्म माणिकस्तु (डंदपोजन) के विशेषज्ञों का तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में उन्नत नस्लों की खरीद-बिक्री के लिए एक पारदर्शी मार्केटिंग प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा।

सुशासन तिहार 2026 से गायत्री गुप्ता को मिली स्वास्थ्य सुरक्षा की सौगात

गांव में ही बना आयुष्मान कार्ड, अब 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री क्र विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों के लिए राहत और भरोसे का माध्यम बनकर उभर रहा है। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत घोघरा निवासी क्र मती गायत्री गुप्ता को जनसमस्या निवारण शिविर में आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया, जिससे उन्हें और उनके परिवार को 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा सुनिश्चित हो गई है। गायत्री गुप्ता ने बताया कि वे लंबे समय से आयुष्मान कार्ड बनवाने का प्रयास कर रही थीं, लेकिन विभिन्न कारणों से यह कार्य पूरा नहीं हो पा रहा था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में आवेदन देने के बाद उनका आयुष्मान कार्ड तत्काल तैयार कर उन्हें सौंप दिया गया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब परिवार के किसी सदस्य के बीमार होने पर इलाज की चिंता नहीं रहेगी। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से अब वे जरूरत पड़ने पर सूचीबद्ध अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार प्राप्त कर सकेंगी। गायत्री गुप्ता ने मुख्यमंत्री क्र विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ सीधे गांव तक पहुंच रहा है। पहले छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब समस्याओं का समाधान गांव में ही हो रहा है। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, राजस्व और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। इससे हजारों ग्रामीणों को समयबद्ध राहत मिल रही है और शासन के प्रति उनका विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो रहा है।

ग्रामीणों एवं हितग्राहियों के लिए सौगातों भरा रहा ग्राम घीना में आयोजित सुशासन तिहार

शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर हितग्राही हुए खुश, 450 आवेदनों का हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम घीना में सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत घीना के 25 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण एवं हितग्राही शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शासकीय हायर सेण्डरी स्कूल मैदान घीना में आयोजित शिविर में डौण्डीलोहारा जनपद अध्यक्ष क्र मती कांति सोनबरसा, जिला पंचायत सदस्य क्र गुलशन हिरवानी एवं अन्य अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को स्वामीत्व योजना अंतर्गत अधिकार अभिलेख का वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास पूर्णता प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, नया राशन कार्ड, मत्स्य पालन प्रसार योजना अंतर्गत हितग्राहियों को जाल एवं आईस बॉक्स वितरण के अलावा शासन के अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल कैम्प भी लगाया गया था।

इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया। इसके अलावा शिविर में 20 किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता किट भी प्रदान किया गया। ग्राम घीना में आयोजित शिविर में आज विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 906 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 450 आवेदनों को मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया गया।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यनपालन अधिकारी क्र सुनील चंद्रवंशी ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार सुशासन तिहार के दौरान प्रशासनिक अमले के द्वारा आम जनता के बीच पहुँचकर उनके मांगों एवं वास्तविक समस्याओं से रूबरू होकर उनका समुचित निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में उपस्थित होकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि घीना में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम पापरा, बुन्देली, रानीतराई कि, किसना, सिंगारपुर, भालूकोन्हा, हड़गहन, भुरकाभाट, मनकी क, केवट नवागांव, सुरेगांव, झिटिया, परसाडीह सु, फरदफोड़, भण्डेरा, घीना, मुढिया, भेडी सु, अहि. नवागांव, कसहीकला, बीजाभाठा, डेंगरापार, मुडखुसरा, भीमकन्हार और हथौद सहित 25 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण जन शामिल हुए थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा